साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 19 • कठुआ, शनिवार 4 अक्टूबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

जनसांख्यिकी हेरफेर सामाजिक सद्भाव के लिए घुसपैठ से बड़ा खतरा : पीएम मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को चेतावनी दी कि जनसांख्यिकीय हेरफेर आज भारत के सामाजिक सद्भाव के लिए घुसपैठ से भी बड़ा खतरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा हमेशा षविविधता में एकता में निहित रही है और आगाह किया कि अगर यह सिद्धांत टूट गया तो देश की ताकत कम हो जाएगी।

मोदी ने 15 अगस्त के अपने भाषण और ष्हमारी बहनों और बेटियों को निशाना बनाकर युवाओं की आजीविका छीनने वाले घुसपैठियों से भारतीय नागरिकों की रक्षाष के लिए अपने श्जनसांख्यिकी मिशनश की घोषणा को

भी याद किया।

उन्होंने कहा, ष्आज सामाजिक सद्भाव को घुसपैठियों की तुलना में जनसांख्यिकी परिवर्तन की साजिश से बड़ा खतरा है, जिसका सीधा असर आंतरिक सुरक्षा और भविष्य की शांति पर पड़ता है। भारत आज ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जो सीधे तौर पर इसकी एकता, संस्कृति और सुरक्षा को निशाना बनाती हैं।ष

मोदी ने कहा कि आरएसएस ने सामाजिक समरसता को हमेशा प्राथमिकता दी है। उन्होंने सामाजिक समरसता को हाशिए पर पड़े लोगों को प्राथमिकता देकर सामाजिक न्याय की स्थापना और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के रूप में परिभाषित किया।

उन्होंने कहा, ष्आज राष्ट्र ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जो सीधे तौर पर इसकी एकता, संस्कृति और सुरक्षा को निशाना बनाती हैं – जिनमें अलगाववादी विचारधाराओं और क्षेत्रवाद से लेकर जाति और भाषा पर विवाद और बाहरी ताकतों द्वारा भड़काई गई विभाजनकारी प्रवृत्तियां शामिल हैं।

यह कहते हुए कि भारत की आत्मा हमेशा षविविधता में एकता में निहित रही है, मोदी ने चेतावनी दी कि

■ शेष पेज 2...

किसी भी मुद्दे का समाधान केवल बातचीत से ही हो सकता है : लद्दाख एलजी ने आंदोलनकारी समूहों से कहा

सबका जम्मू कश्मीर

लेह : लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) से केंद्र के साथ बात. चीत से दूर रहने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बुधवार को कहा कि किसी भी मामले को मेज पर बैठकर हल किया जा सकता है। उन्होंने लद्दाख की स्थिति पर राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा और आरा. ॅप लगाया कि कांग्रेस नेता देश में ष्माहौल को खराब करनेष की कोशिश कर रहे हैं जैसा उन्होंने किसानों के आंदोलन और अन्य विरोध प्रदर्शनों के दौरान किया था।

आंदोलनकारी समूहों द्वारा 24 सितंबर की हिंसा की न्यायिक जांच और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित बंदियों की रिहाई की मांग के बीच उपराज्यपाल ने कहा कि मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और यह बहुत जल्द शुरू होगी। अधिकारियों द्वारा सप्ताह भर

■ शेष पेज 2...

एनसीआरबी डेटा : 2023 में जम्मू-कश्मीर में हत्या के मामलों की दर भारत में दूसरी सबसे कम होगी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि 2023 में जम्मू और कश्मीर में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच हत्या के मामलों की रिपोर्टिंग की दूसरी सबसे कम दर दर्ज की गई, जिसमें प्रति एक लाख जनसंख्या पर एक से भी कम मामले थे। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जम्मू और कश्मीर में दो वर्षों में हत्या के मामलों में 38 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के लिए केंद्र शासित प्रदेश में दर्ज हत्या के मामलों की दर 0.6 थी।

अपराध दर की गणना प्रति एक लाख जनसंख्या पर अपराध के आधार पर की जाती है। जम्मू–कश्मीर में दर्ज हत्या के मामलों की दर छह अन्य केंद्र शासित प्रदेशों और सभी 28 राज्यों की तुलना में कम थी। केवल लक्षद्वीप में हत्या की दर शून्य थी। केंद्र शासित प्रदेशों में हत्या की दर 1.7 थी, जबकि पूरे देश में यह 2 थी। केंद्र

■ शेष पेज 2...

माता वैष्णो देवी यात्रा : नवरात्रि के दौरान 1.70 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा : नवरात्रि के दौरान 1.70 लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटरा में श्जय माता दीश के जयकारे और भजन गूंज रहे थे। 22 सितंबर से बुधवार तक चलने वाली नवरात्रि देवी दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। माता वैष्णो देवी मंदिर में इसका विशेष महत्व है, जहाँ इस दौरान सबसे ज़्यादा श्रद्धालु आते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि हर गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने मंदिर परिसर में

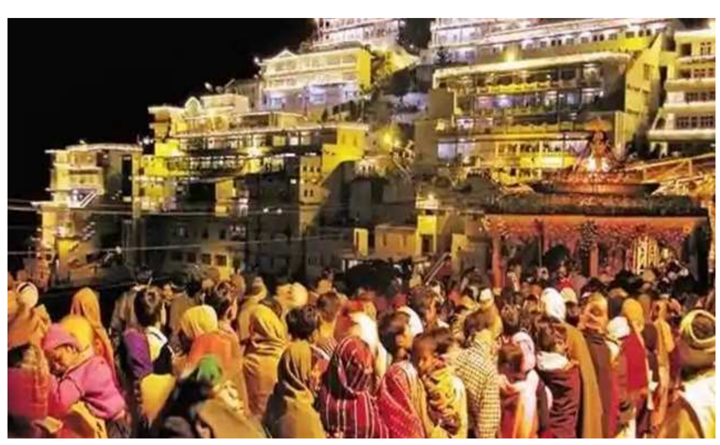

संवाददाताओं से कहा, ष्1.70 लाख से अधिक तीर्थयात्री गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। हर गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में मंदिर में आने और अपनी पूजा करने का आग्रह किया। उत्साही तीर्थयात्री जय माता दी और भक्ति गीतों के

■ शेष पेज 2...

सोपोर पुलिस ने जेईआई से जुड़े लोगों के आवासों पर छापेमारी की; आपत्तिजनक सामग्री जब्त

सबका जम्मू कश्मीर

सोपोर : सोपोर पुलिस ने अलगाववादी–आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने और शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने निरंतर प्रयासों में, सोपोर के जालोरा में जमात–ए–इस्लामी (जेईआइ) से जुड़े व्यक्तियों के आवासों पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, मंगलवार को मोहम्मद मकबूल भट, पुत्र अब्दुल रहीम भट और तनवीर अहमद डार, पुत्र अब्दुल जब्बार डार के घरों पर तलाशी ली गई, दोनों ही जालोरा, सोपा. ॅर के रहने वाले हैं। ये अभियान गैरकानूनी गति. विधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एफआईआर के संबंध में, सक्षम न्यायालय से वैध तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद चलाए गए। तलाशी के दौरान, प्रतिबंधित संगठन से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई और आगे की जाँच के लिए जब्त कर ली गई। यह प्रक्रिया मजिस्ट्रेटों और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पूरी तरह से कानूनी अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए की गई। ये छापे सोपोर पुलिस की चल रही जाँच का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य अलगाववादी

■ शेष पेज 2...

दिवाली बोनान्ज़ा : केंद्र ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के लिए डीए/डीआर में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दिवाली का तोहफा देते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को महंगाई भत्ता (डीए)/महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि करने का फैसला किया, जिससे 10,083.96 करोड़ रुपये

का वार्षिक परिव्यय होगा। डीए और डीआर में बढ़ोतरी जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के कुछ दिनों बाद हुई है, जिससे घी, पनीर, मक्खन, श्नमकीनश, केचप, जैम, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी आम उपभोग की वस्तुओं की कीमतें कम हो जाएंगी और टीवी, एसी, वाशिंग मशीन जैसी आकांक्षात्मक

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

जनसांख्यिकी हेरफेर...

अगर इस सिद्धांत को तोड़ा गया, तो भारत की ताकत कम हो जाएगी। इसलिए, उन्होंने इस आधारभूत सिद्धांत को निरंतर सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, षसामाजिक सद्भाव आज जनसांख्यिकीय हेरफेर और घुसपैठ से गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसका सीधा असर आंतरिक सुरक्षा और भविष्य की शांति पर पड़ता है... इसी चिंता ने मुझे लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा करने के लिए प्रेरित किया।ß

मोदी ने इस खतरे का सामना करने के लिए सतर्कता और दृढ़ कार्रवाई का भी आह्वान किया। शताब्दी समारोह का आयोजन संस्कृ ति मंत्रालय द्वारा किया गया और इसमें आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाग लिया। केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में नागपुर में स्थापित, आरएसएस की स्थापना एक स्वयंसेवक–आधारित संगठन के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था।

मोदी स्वयं आरएसएस के प्रचारक थे और भाजपा में आने से पहले उन्होंने एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। भाजपा की विचारधारा इसी हिंदुत्व संगठन से प्रेरित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरएसएस के शताब्दी समारोह की सराहना की और कहा कि इस संगठन पर कई हमले होने के बावजूद इसने कभी कोई कड़वाहट नहीं दिखाई क्योंकि यह राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम करता रहा।

यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि यह जाति या पंथ के विभाजन को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के हर कोने तक पहुंचा है।

मोदी ने कहा, षसंघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है।ß उन्होंने आगे कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके नेता जेल भी गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं।

उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, षआरएसएस कभी भी कटु नहीं रहा, भले ही उनके खिलाफ झूठे मामले बनाने, उन पर प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों का प्रयास किया गया, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे दोनों को स्वीकार करते हैं।ß

मोदी ने कहा कि यहां तक कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, "फिर भी, जब वह बाहर आए, तो उन्होंने शांत बुद्धिमता के साथ कहारू 'कभी–कभी, जीभ दांतों के नीचे फंस सकती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने चुनौतियों का सामना करने में उन्हें ताकत दी।

उन्होंने कहा, षजब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने हर स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी।ß प्रधानमंत्री ने आरएसएस की शताब्दी के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। मोदी ने कहा, ष100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न है और दूसरी तरफ वरद मुद्रा में सिंह के साथ भारत माता की भव्य छवि है, जबकि स्वयंसेवक. ों को भक्ति और समर्पण से उनके सामने नतमस्तक दिखाया गया है।ß

उन्होंने कहा, "स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर छपी है जो बहुत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 साल पहले विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना महज एक संयोग नहीं था, बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही परंपरा का पुनरुत्थान था। उन्होंने कहा, षसंघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है।ß मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि आरएसएस श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश में विश्वास करता है, फिर भी आज़ादी के बाद उसे राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल होने से रोकने के प्रयास किए गए। उन्होंने आगे कहा, षविविधता में एकता हमेशा से भारत की आत्मा रही है। अगर यह सिद्धांत टूटा तो भारत कमज़ोर हो जाएगा। चुनौतियों के बावजूद, आरएसएस मज़बूती से खड़ा है और अथक परिश्रम से राष्ट्र की सेवा कर रहा है।ß

शताब्दी समारोह का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया था और इसमें आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाग लिया। केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में नागपुर में स्थापित, आरएसएस की स्थापना एक स्वयंसेवक–आधारित संगठन के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था। मोदी स्वयं एक आरएसएस श्प्रचारकश थे और भाजपा में स्थानांतरित होने से पहले एक कुशल आयोजक के रूप में अपनी पहचान बनाई थी, जो हिंदुत्व संगठन से अपनी वैचारिक प्रेरणा प्राप्त करता है।

किसी भी मुद्दे...

से लगे प्रतिबंधों में सात घंटे की ढील दिए जाने और दुकानों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को फिर से खोलने का आदेश दिए जाने के बाद मंगलवार सुबह से कर्फ्यूग्रस्त लेह शहर मं सामान्य स्थिति देखी गई। बुधवार को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक छूट की अवधि एक घंटे और बढ़ा दी गई। हालाँकि, मोबाइल इंटरनेट सेवाएँ अभी भी निलंबित हैं, और कारगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में पाँच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने वाले कड़े निषेधाज्ञा आदेश अभी भी लागू हैं। गृह मंत्रालय और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत में बाधा उत्पन्न हुई, क्योंकि लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के सुरक्षा उपायों के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे एलएबी और केडीए दोनों ने अनुकूल माहौल बनने तक बातचीत स्थगित करने की घोषणा की। उन्होंने हिंसा की न्यायिक जांच और 50 से अधिक बंदियों की रिहाई की मांग की, जिनमें वांगचुक भी शामिल हैं, जिन पर हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। दोनों संगठनों ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों और सुरक्षा बलों की षअत्याचारिताß के कारण एलएबी के एक घटक द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान हिंसा हुई।

उपराज्यपाल ने यहां एक साक्षात्कार में कहा, षप्रशासन ने स्थिति को बदतर नहीं बनाया है, न ही हम चाहते थे कि स्थिति ऐसी हो। हिंसा किस वजह से हुई, यह जांच का विषय है।ß उन्होंने कहा, षकेंद्र सरकार ने उन्हें (एलएबी और केडीए) बातचीत के लिए आमंत्रित किया था और उन्हें पहले विचार–विमर्श के लिए जाना चाहिए था... कोई भी मुद्दा बातचीत की मेज पर बैठकर ही सुलझाया जा सकता है। बात. चीत से ही चीजें संभव होती हैं।ß

उन्होंने कहा कि उन्होंने लद्दाख के लोगों से बातचीत के लिए आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा, षप्रशासन चाहता है कि युवा और धार्मिक संगठन समेत सभी लोग आगे आएँ ताकि हम उनके साथ बैठकर उनके मन में उठ रहे सभी मुद्दों का समाधान कर सकें।ß 24 सितंबर को हुई हिंसा की घटनाओं को षदुखद और दुर्भाग्यपूर्णß बताते हुए गुप्ता ने कहा कि ये घटनाएँ होनी ही नहीं चाहिए थीं।

प्रशासन ने स्थिति में सुधार के लिए बीएनएसएस की धारा 163 के तहत कुछ प्रतिबंध लगाए और एहतियात के तौर पर स्कूल–कॉलेज बंद करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, षशुरुआत में मंगलवार को चार घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई और बाद में इसे तीन घंटे और बढ़ा दिया गया। आज सुबह से शाम तक प्रतिबंधों में ढील दी गई ताकि लोगों की दिनचर्या में कोई बाधा न आए।ß

उन्होंने कहा कि स्थिति में काफी हद तक सुधार हुआ है और प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि लोगों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा, षहमारी कोशिश है कि जनजीवन पहले की तरह सामान्य हो जाए। मुझे लगता है कि अगले कुछ दिनों में हालात सामान्य हो जाएँगे।ß

उन्होंने कहा कि ये गिरफ्तारियाँ इस दुखद घटना के सिलसिले में की गई हैं। षचार लोगों की जान क्यों गई, यह चिंता का विषय है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों, और इसलिए, लोगों को भड़काने के लिए दोषियों की जाँच होनी चाहिए।ß वांगचुक पर रासुका लगाए जाने की आलोचना पर उपराज्यपाल ने कहा, षयह केंद्र सरकार का मामला है। गृह मंत्रालय ने जो आरोप लगाए हैं, वे एक मामले के रूप में हैं।ß

षवे (गृह मंत्रालय) इस बारे में बात करेंगे, क्योंकि मैं स्थानीय मुद्दा. ें को देख रहा हूँ। एनएसए केंद्र सरकार का मामला है।ß लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लद्दाख की स्थिति से निपटने के तरीके पर सरकार की आलोचना पर उन्होंने कहा, षदेश जानता है कि राहुल गांधी क्या कह रहे हैं। वह लोगों को भड़काने और देश का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।ß उन्होंने कहा, षकिसान आंदोलन और इसी तरह के अन्य विरोध प्रदर्शनों के पीछे उनका हाथ है। उन्हें लद्दाख में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने के बजाय अपने काम पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए।ß उपराज्यपाल ने कहा कि मौजूदा हालात के कारण मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद है और स्थिति सामान्य होते ही इसे बहाल कर दिया जाएगा।

माता वैष्णो देवी...

नारे लगाते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर के निवास, भवन तक सर्पीले रास्ते पर चले। उज्जैन के सुरेश कुमार ने कहा, षहम यहां दिव्य दर्शन के लिए आए थे। आज, नवमी होने के कारण, एक विशेष रूप से पवित्र और शुभ दिन है। मेरा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार वैष्णो देवी के दर्शन करने चाहिए।

यह वास्तव में एक सुंदर स्थान है जो आस्था से भरे अनगिनत भक्तों को आकर्षित करता है।

12 सदस्यों वाले समूह में शामिल कुमार ने बताया कि तवी नदी में आई बाढ़ और जम्मू क्षेत्र में भारी तबाही के बावजूद, उन्होंने अपने रेल टिकट रद्द नहीं किए, बल्कि हर हाल में माता के दर्शन करने का निश्चय किया। उन्होंने कहा, षयह माता का हमें आशीर्वाद देने का आह्वान था।ß 22 सितंबर को बहुस्तरीय सुरक्षा के बीच शारदीय नवरात्रि के नौ दिवसीय उत्सव की शुरुआत से ही, दोनों मार्गों, कटरा और भवन, रोशनी और फूलों से सजे, आध्यात्मिक उत्साह और पारंपरिक उल्लास से गूंज रहे हैं।

कर्नाटक की वीना राय ने कहा कि दो बार टिकट रद्द करने के बावजूद, वह माता के चरणों में हैं, जहाँ उन्होंने पूजा–अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, षहर साल दुर्गा पूजा और नवरात्रि के दौरान, मैं यहाँ आती हूँ। मैं उपवास रखती हूँ और अपने परिवार के साथ दर्शन करती हूँ। हमने मौसम की स्थिति और ट्रेन यातायात व्यवधान के कारण दो बार टिकट रद्द कर दिए। लेकिन यह माता का आह्वान था कि हम लगातार सातवें वर्ष नवरात्रि के दौरान फिर से यहाँ हैं।ß

वैश्य ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए श्राइन बोर्ड द्वारा शारदीय नवरात्रि के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। अधिकारी ने कहा कि बोर्ड ने तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने, अनुमानित भीड़ का प्रबंधन करने और 13 किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग पर सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

इस वर्ष, श्राइन बोर्ड ने यात्रा मार्ग पर समन्वय और संचार बढ़ाने के लिए वायरलेस संचार सेट लगाए हैं। अधिकारी ने बताया कि पूरे उत्सव के दौरान पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), अन्य अर्धसैनिक बलों और त्वरित प्रतिक्रिया दलों (क्यूआरटी) की भागीदारी वाला एक बहु–स्तरीय सुरक्षा ग्रिड तैनात किया गया है।

26 अगस्त को मूसलाधार बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण 22 दिनों तक स्थगित रहने के बाद, इस पवित्र तीर्थस्थल की तीर्थयात्रा 17 सितंबर को फिर से शुरू हुई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। महा नवमी के अवसर पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच, सैकड़ों श्रद्धालु सुबह से ही जम्मू शहर के बहू फोर्ट स्थित माता काली मंदिर में पूजा करने के लिए उमड़ पड़े थे। यह मंदिर बावे वाली माता के नाम से प्रसिद्ध है।

देवी की स्तुति में नारे लगाते हुए, श्रद्धालु चिलचिलाती गर्मी के बावजूद, दिन भर लंबी कतारों में धैर्यपूर्वक खड़े रहे। पारंपरिक परिधानों में सजे बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र श्साखश विसर्जित करने के लिए तवी और चिनाब नदियों के साथ–साथ स्थानीय नहरों पर भी गए। तवी नदी के तट पर, श्रद्धालुओं ने गहरी श्रद्धा के साथ साख विसर्जन की रस्म निभाई। नवमी के पावन अवसर पर मनाई जाने वाली यह सदियों पुरानी परंपरा इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाती है।

सोपोर पुलिस ने...

और आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में शामिल नेटवर्क का पता लगाना और उन्हें ध्वस्त करना है। कट्टरपंथी विचारधारा को रोकने, सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए ऐसे उपाय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सोपोर पुलिस अपना दृढ़ संकल्प दोहराती है कि शांति और स्थिरता को भंग करने की कोशिश करने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े या अलगाववादी–आतंकवादी नेटवर्क को पुनर्जीवित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

एनसीआरबी डेटा...

शासित प्रदेशों में हत्या की सबसे ज़्यादा दर दिल्ली (2.4) में दर्ज की गई, जबकि राज्यों में मणिपुर (4.7) शीर्ष पर रहा।

आंकड़ों के अनुसार, जम्मू–कश्मीर में 2021 में हत्या के 136 मामले सामने आए। 2022 में मामलों की संख्या घटकर 99 और 2023 में 84 रह गई, यानी दो साल में 38.23 प्रतिशत की गिरावट। 2023 में आठ केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू–कश्मीर दूसरे सबसे ज़्यादा हत्या के मामले दर्ज किए गए, जहाँ कुल 665 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली में सबसे ज़्यादा 506 मामले दर्ज किए गए। लक्षद्वीप में हत्या का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

2023 में देश भर में ऐसे मामलों की संख्या 27,721 थी, लेकिन छह राज्य ऐसे थे जहाँ जम्मू–कश्मीर से कम मामले थे। हत्या के इन मामलों में 101 पीड़ित थे – 98 वयस्क और तीन बच्चे। पीड़ितों में 86 पुरुष और 15 महिलाएँ थीं। छह साल से कम उम्र के दो हत्या के शिकार थे – एक पुरुष और एक महिला। हालाँकि छह से 12 साल के आयु वर्ग में ऐसा कोई मामला नहीं था, लेकिन 12–16 आयु वर्ग में एक महिला पीड़ित थी।

आंकड़ों से पता चला है कि 2023 में जम्मू–कश्मीर में 16 से 18 वर्ष के बच्चों की हत्या नहीं होगी, लेकिन 41 पीड़ित – 36 पुरुष और पांच महिलाएं – 18 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के थे। आंकड़ों से पता चला है कि 23 मामले व्यक्तिगत प्रतिशोध या दुश्मनी के कारण, 28 विवाद के कारण, मुख्य रूप से पारिवारिक, आठ उग्रवाद या विद्रोह के कारण और छह प्रेम संबंधों के कारण हुए।

आठ राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू–कश्मीर की तुलना में प्रेम संबंधों के कारण हत्या के कम मामले दर्ज किए गए।

श्रीकृष्ण कथा के दूसरे दिन साध्वी राधिका भारती जी ने दिया दिव्य दृष्टि का संदेश

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय श्रीकृष्ण कथा के दूसरे दिवस की सभा में गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या कथा व्यास साध्वी राधिका भारती जी ने श्रोताओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से अवगत कराया। कथा श्रीराम मंदिर गुढ़ा बक्शी नगर जम्मू में चल रही है।

साध्वी जी ने अपने प्रवचन में कहा कि शिशुपाल भगवान श्रीकृष्ण को सामने उपस्थित होने पर भी पहचान नहीं पाया। इसी प्रकार उस समय के अनेक राजा भी भगवान को नहीं पहचान सके। उन्होंने प्रश्न उठाया कि यदि आज स्वयं भगवान हमारे समक्ष आ जाएँ तो क्या हम उन्हें पहचान पाएँगे? साध्वी जी ने स्पष्ट किया कि बाहरी वेशभूषा आधार नहीं हो सकती बल्कि भगवान को पहचानने के लिए अर्जुन जैसी दिव्य दृष्टि की आवश्यकता है।

भक्त प्रह्लाद के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रह्लाद कठिन संकटों में भी अपने ईश्वर विश्वास से विचलित नहीं हुए। इस अडिग आस्था के पीछे उनकी माता द्वारा दिए गए श्रेष्ठ संस्कार थे। साध्वी जी ने कहा कि बाल्यावस्था में दिया गया संस्कार ही किसी बच्चे के भविष्य का निर्धारण करता है। इसलिए माताओं को चाहिए कि वे अपनी संतान को उत्तम संस्कार दें ताकि वह एक श्रेष्ठ नागरिक बन सके।

इस अवसर पर भव्य पंडाल में फूलों की होली उत्सव का आयोजन हुआ जिसमें साध्वी बहना. ें के मधुर भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम का समापन प्रभु की आरती और लंगर भंडारे के प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से स्वामी सुच. ेतानंद स्वामी महेश्वरानंद अध्यक्ष भाजपा जम्मू–कश्मीर सत शर्मा भाजपा नेता विक्रांत गुप्ता प्रधान श्रीराम मंदिर पंकज गुप्ता करनैल चंद प्रो सुशील शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना चाहिए, लेह की घटना दुर्भाग्यपूर्ण : शिवसेना

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : शिवसेना (यूबीटी) की जम्मू–कश्मीर इकाई के प्रमुख मनीष साहनी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण लेह में हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई (जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 90 घायल हो गए) को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह जम्मू–कश्मीर और लेह को विशेष विशेषाधिकारों के साथ राज्य का दर्जा तुरंत बहाल करने के अपने वादों को पूरा करे और लोगों के धैर्य की परीक्षा न ले।

पार्टी के प्रदेश केंद्रीय कार्यालय में आज आयोजित एक प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी ने कहा कि सबसे शांत क्षेत्र लेह में जो कुछ हुआ, वह निंदनीय है।

जम्मू–कश्मीर और लेह के साथ हो रहे अन्याय में कमी आने का नाम नहीं ले रही है। अगस्त 2019 में लेह और जम्मू–कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेश बन गए, जिससे उनका राज्य का दर्जा और विशेषाधिकार छीन लिए गए। विकास, रोज़गार, बड़े पैमाने पर निवेश और शांति बहाली के सारे वादे ज़मीन पर खोखले साबित हुए हैं।

यही कारण है कि जनता, विशेष रूप से जेन जेड, स्वाभाविक रूप से नाराज है।

मोदी भारत में निर्मित स्थानीय उत्पादों के लिए जी का आह्वान आत्मनिर्भर भारत के लिए एक बड़ा बदलाव : पवन शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : जम्मू–कश्मीर भाजपा सचिव पवन शर्मा ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की है। नरेंद्र मोदी जी ने भारतीय निर्मित स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और खरीदने की अपील की, इसे आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का आह्वान सिर्फ एक अपील नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन है जो भारत की अर्थव्यवस्था और समाज को बदल देगा। उन्होंने कहा, ष्स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देकर, हम घरेलू उद्योगों को मज़बूत करेंगे, उद्यमिता को बढ़ावा देंगे और लाखों रोज़गार पैदा करेंगे। यह भारत की आर्थिक आज़ादी की आधारशिला है।ष्

इस मिशन में जम्मू और कश्मीर की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने बताया कि यह क्षेत्र विश्व प्रसिद्ध उत्पादों जैसे पश्मीना शॉल, बसोहली पेंटिंग, केसर, अखरोट, राजमा , शहद और अन्य हस्तशिल्प का घर है, जिन्हें इस आंदोलन के माध्यम से समर्थन मिलने पर वैश्विक मान्यता और व्यापक बाजार मिल सकता है।

"प्रधानमंत्री मोदी उन्होंने कहा, ष्वोकल फॉर लोकलष् का जी का विज़न हर भारतीय के लिए एक कदम है। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और भारत विनिर्माण और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित होगा।ष्

शर्मा ने जम्मू–कश्मीर के युवाओं, उद्यमियों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं से आगे आकर सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा जी स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म के मामले में पूर्ण समर्थन प्रदान करेगा।

शर्मा ने निष्कर्ष देते हुए कहा, ष्एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में भारत का उदय उसके नागरिकों के सामूहिक संकल्प पर निर्भर करता है।

अगर हम भारतीय सामान खरीदने में गर्व महसूस करते हैं, तो एक समृद्ध, सशक्त और विश्व स्तर पर अग्रणी भारत का सपना जल्द ही साकार हो जाएगा।

शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू और कश्मीर ने अपने अध्यक्ष सत शर्मा (सीए) के नेतृत्व में आज महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। भगत सिंह की जयंती पर पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जहां वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता महान शहीद की स्मृति को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए। जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव संजीता डोगरा , और गोपाल महाजन के अलावा अन्य नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की उन्होंने भगत सिंह को भारत के युवाओं के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत बताया, जिनके अत्यंत कम उम्र में सर्वोच्च बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम को गति दी और पूरे देश में देशभक्ति की भावना का संचार किया। इस अवसर पर बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि एक स्वतंत्र, सशक्त और प्रगतिशील भारत का भगत सिंह का स्वप्न भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आज के युवाओं की ज़िम्मेदारी है कि वे भगत सिंह के साहस, बलिदान और राष्ट्र–प्रथम के आदर्शों को आगे बढ़ाएँ। उन्होंने सभी से शहीद की शिक्षाओं को आत्मसात करने का आह्वान किया। भगत सिंह ने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक जीवन में जो कुछ भी किया, उससे बहुत प्रभावित हुए। अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी क्रांतिकारी की अदम्य भावना और उत्पीड़न व अन्याय के विरुद्ध उनके अटूट संघर्ष को याद किया।

एनएमसी ने 8वें वेतन आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की शीघ्र नियुक्ति की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : राष्ट्रीय मजदूर सम्मेलन (एनएमसी) ने केंद्र सरकार से आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया है। आज जारी एक बयान में, एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिना किसी और देरी के आयोग के औपचारिक गठन की घोषणा करने का आग्रह किया। गुरुवार को मोदी को भेजे एक ज्ञापन में, शास्त्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठ महीने से भी अधिक समय पहले आयोग के गठन को मंजूरी दे दी थी, फिर भी आधिकारिक अधिसूचना और नियुक्तियाँ अभी भी प्रतीक्षित हैं, जिससे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में चिंता व्याप्त है। शास्त्री ने बताया कि आठवें वेतन आयोग के कार्यान्वयन की नियत तिथि 1 जनवरी, 2026 है। इसलिए, यह आवश्यक है कि आयोग को निर्धारित अवधि के भीतर अपनी सिफारिशें पूरी करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। समय पर कार्रवाई से केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच बढ़ती अनिश्चितता को दूर करने में मदद मिलेगी, जो अपने भविष्य के वेतन और लाभों पर स्पष्टता का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।शास्त्री ने सातवें वेतन आयोग के प्रावधानों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें डीए के 50 प्रतिशत की सीमा पार करने पर 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) को मूल वेतन या पेंशन में मिलाने की सिफारिश की गई है। वर्तमान में डीए 55 प्रतिशत पर है, इसलिए उन्होंने मांग की कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों, दोनों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए डीए के 50 प्रतिशत को तुरंत मूल ढांचे में मिला दे।

एनएमसी नेता ने कई प्रमुख मांगों पर भी प्रकाश डाला, जिनम. ें विश्वास बहाली के उपाय के रूप में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को तत्काल बहाल करना भी शामिल है, खासकर जब कई राज्य इसे पहले ही लागू कर चुके हैं। उन्होंने 1 जुलाई, 2025 से देय 3: डीए जारी करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

शास्त्री ने देश भर में एक समान वेतन नीति तैयार करने के लिए राष्ट्रीय वेतन आयोग की स्थापना का आह्वान किया।

उन्होंने जम्मू और श्रीनगर शहरों को बी–1 शहर घोषित करने की भी अपील की, जिससे इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दिए जाने वाले लाभों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने मांग की कि जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में पेंशनभोगियों के लिए मासिक राशि 1 अप्रैल, 2020 से बढ़ाकर 1000 रुपये की जाए।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

भारतीय सेना ने बेसहारा महिलाओं के लिए चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

अखनूर। समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण रखते हुए 170 सैन्य अस्पताल अखनूर ने अखनूर स्थित परम प्रसाद आश्रम में एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह पहल स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और पोषण माह के तत्वावधान में आयोजित की गई जो एक स्वस्थ और सशक्त समुदाय के निर्माण के लिए भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस शिविर में 15 से 60 वर्ष की आयु की 36 बेसहारा महिलाओं को शामिल किया गया जिनमें से कई अपने परिवारों से अलग हो गई हैं और विभिन्न विकासात्मक विकारो. से पीड़ित हैं। दो महिला डॉक्टरों और एक पैथोलॉजिस्ट की एक टीम ने व्यापक चिकित्सा जाँच, बुनियादी स्वास्थ्य जाँच और रक्त परीक्षण किए जिसमें एनीमिया का पता लगाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

चिकित्सा सहायता के अलावा महिलाओं को देखभाल और सद्भावना के प्रतीक के रूप में फलों की टोकरियाँ प्रदान की गईं।

उपस्थित डॉक्टरों ने व्यक्तिगत परामर्श दिया और समग्र स्वास्थ्य के लिए पोषण, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य निगरानी के महत्व पर ज़ोर दिया। इस पहल ने न केवल उनकी तात्कालिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा किया बल्कि आश्रमवासियों को यह भी विश्वास दिलाया कि समाज ने उन्हें भुलाया नहीं है।

इस कार्यक्रम ने भारतीय सेना की चिकित्सा सेवाओं के समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित किया जो न केवल सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल करती है बल्कि समुदाय के कमज़ोर और हाशिए पर पड़े वर्गों तक भी अपना उपचारात्मक स्पर्श पहुँचाती है।

इस अवसर पर बोलते हुए अधिकारियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वस्थ महिलाएँ मजबूत और सशक्त परिवारों की नींव रखती हैं।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि समाज के उपेक्षित वर्गों तक पहुँचना एक नैतिक कर्तव्य और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी दोनों है। शिविर का समापन करुणा के भाव के साथ हुआ जिसमें 170 सैन्य अस्पताल द्वारा समर्पण, सहानुभूति और व्यावसायिकता के साथ समुदाय की सेवा जारी रखने के संकल्प की पुष्टि की गई।

जाविद डार ने बारामूला में जिला स्तरीय अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

बारामूला : कृषि उत्पादन, पशु एवं भेड़पालन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, तथा चुनाव विभाग मंत्री जाविद अहमद डार ने आज यहां शौकत अली स्टेडियम, ख्वाजा बाग में अंतर-विद्यालय/अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट (लड़कों) का उद्घाटन किया।

युवा सेवा एवं खेल, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन विभाग के मंत्री सतीश शर्मा, वगूरा-क्रीरी के विधायक एडवोकेट इरफान हफीज लोन और सोपोर के विधायक इरशाद रसूल कार की उपस्थिति में मंत्री ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, मंत्री जाविद डार ने युवाओं में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में खेलों के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने जमीनी स्तर पर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने और युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्टता के भरपूर अवसर प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर बोलते हुए, खेल मंत्री सतीश शर्मा ने जम्मू-कश्मीर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभाग की पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छात्रों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न विषयों में नियमित टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवा प्रतिभाओं को निखारने और एक स्वस्थ एवं जीवंत भावी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने में मदद करते हैं।

इस अवसर पर, मंत्रियों ने जिले के 18 क्षेत्रों के विद्यार्थियों के बीच खेल किट और उपकरण भी वितरित किए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर बारामूला के युवाओं की जीवंतता और प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

बडगाम में सेवा पर्व के तहत सामाजिक मुद्दों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

बडगाम : जिला सूचना केंद्र बडगाम ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक इकाई कश्मीर और मुख्य शिक्षा अधिक. ारी बडगाम के सहयोग से आज सेवा पर्व थीम के तहत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक इकाई कश्मीर के कलाकारों के साथ-साथ जिले भर के विभिन्न संस्थानों के स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नाटकों, गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विचारोत्तेजक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से, प्रतिभागियों ने विभिन्न सामा. जिक मुद्दों जैसे कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग, दहेज प्रथा, बालिका शिक्षा का महत्व, स्वच्छता अभियान के तहत सफाई और सामाजिक महत्व के कई अन्य विषयों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बोलते हुए, बडगाम की जिला सूचना अधिकारी, इरुम अज़ीज़ खान ने सेवा पर्व के महत्व और समाज में प्रत्येक नागरिक की रचनात्मक भूमिका की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि सेवा पर्व केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है, जहाँ लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आकर समुदाय की बेहतरी में योगदान देना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जागरूकता, स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक सद्भाव पर केंद्रित गतिविधियाँ व्यापक रूप से समाज का उत्थान करती हैं।

उन्होंने सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और स्कूली बच्चों से बदलाव के दूत बनने और सेवा पर्व के तहत जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सेवा और ज़िम्मेदारी के मूल्यों से पोषित युवा मस्तिष्क एक प्रगतिशील और नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम को दर्शकों द्वारा अत्यधिक सराहा गया क्योंकि इसमें कला, संस्कृति और सामा. जिक जागरूकता को प्रभावी ढंग से सम्मिलित किया गया तथा सेवा पर्व के उद्देश्यों के अनुरूप सेवा, जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण का संदेश फैलाया गया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 : री-स्पन : द खादी एडिट में खादी का आधुनिक अंदाज

सबका जम्मू कश्मीर

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो शुरू हो गया है. इस भव्य आयोजन में देश भर से लोग आ रहे हैं और हॉल दर्शकों से खचाखच भरा गया है. हॉल में दर्शकों को खादी फैशन शो का बेसब्री से इंतज़ार था.

जैसे ही रोशनी जली और संगीत गूंजा, सबकी निगाहें रैंप की ओर टिकी रह गईं. यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के तीसरे दिन आयोजित 'री-स्पनरू द खादी एडिट' ने उत्तर प्रदेश की कपड़ा विरासत को आधु. निक अंदाज़ में प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया.

हौट कॉउचर में खादी की विरासत

री-स्पनरू द खादी एडिट ने खादी को पारंपरिक परिधान से निक. ालकर आधुनिक फैशन की धुरी के रूप में पेश किया. रैंप पर मॉडल्स ने खादी की विविधता को हौट कॉउचर (भ्नजम बवनजनतम) अंदाज में प्रदर्शित किया.

कहीं चिकनकारी और रेशमी बुनावट को इंडो-वेस्टर्न लुक में ढाला गया तो कहीं खादी को ऑफिस वियर, कैज़ुअल्स और पार्टी वियर की शक्ल में प्रस्तुत किया गया.

कारीगरों को मिला वैश्विक मंच

शो का मकसद सिर्फ फैशन का प्रदर्शन भर नहीं था, बल्कि यह स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के कौशल को दुनिया तक पहुंचाने का जरिया भी बना. विदेशी बायर्स, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और फैशन डिजाइनरों ने खादी की संभावनाओं पर गहरी रुचि दिखाई. खादी की आधुनिक प्रस्तुति ने इसे सस्टेनेबल फैशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में स्थापित किया है.

खादी के जादू ने छोड़ी अमिट छाप

करीब दो घंटे तक चले री-स्पनरू द खादी एडिट का समापन तालियों की गड़गड़ाहट के बीच हुआ. रोशनी, संगीत और खादी के अनूठे डिज़ाइनों से सजा यह मंच दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ. शो ने यह संदेश साफ किया कि खादी केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य के फैशन का भी मजबूत आधार है.

1xबेट बेटिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, खिलाड़ियों-अभिनेताओं की संपत्ति होगी जब्त

नई दिल्ली

ऑनलाइन बेटिंग और गेमिंग प्लेटफॉर्म **1xBet** से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी जल्द ही खिलाड़ियों और अभिनेताओं की करोड़ों की संपत्ति अटैच करेगी. संपत्तियां अटैच कर ईडी इस मामले चार्जशीट दाखिल करेगी. ईडी ने जांच में पाया कि एंडोर्समेंट फीस से खरीदी गई संपत्तियां प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानि अपराध की आय से कमाया गया पैसा है. कुछ संपत्तियां विदेश में भी होने की आशंका है. अभी तक इस मामले में क्रिकेटर्स युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा, शिखर धवन और अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हजरा से पूछताछ हो चुकी है.

उर्वशी रौतेला नहीं हुईं पेश

उर्वशी रौतेला को भी बुलाया गया, लेकिन वह विदेश में होने से पेश नहीं हुईं. ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म **1xBet** पर 22 करोड़ भारतीय यूजर्स हैं. केंद्र सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाया है. दरअसल, जांच में कई मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों को शामिल किया गया है, जिन पर सट्टेबाजी प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने का आरोप है. इसके साथ ही साथ टैक्स चोरी और निवेशकों को धोखा देने का भी संदेह है.

जांच एजेंसी का फोकस इस पर

दरअसल, मामला अब केवल एंटरटेनमेंट और खेल जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके धागे वित्तीय संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय पेमेंट गेटवे तक भी जुड़ते दिखाई दे रहे हैं. जांच एजेंसी का फोकस इस पर है कि आखिर इस ऐप के प्रचार में कौन-कौन शामिल थे और उनकी सहभागिता कितनी गहरी थी. प्रचार के बदले में भुगतान किस माध्यम से हुआ. क्या उसमें हवाला या मनी-लॉन्ड्रिंग की भूमिका शामिल थी?

संघ के 100 साल रू सरकती जाए है रूख़ से नक़ाब आहिस्ता आहिस्ता!

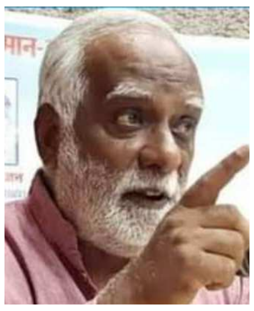

बादल सरोज

विडम्बनाएं भी कभी–कभी इतनी विडम्बनामयी दुविधा में फंस जाती हैं कि एक काव्यात्मक त्रासदी का रूप धारण कर लेती हैं। इस साल 2025 का 2 अक्टूबर ऐसा ही दिन है रू इस दिन महात्मा गांधी, जिनके नाम से भारत को दुनिया में जाना और पहचाना जाता है, उनकी जयंती है और ठीक उसी दिन दशहरा होने के चलते गांधी के सोच–विचार के एकदम विपरीत और उनकी हत्या में भी संलिप्त और इसके चलते प्रतिबंधित होने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की 100वीं सालगिरह भी है। पाखण्ड की हद यह है कि अपनी स्थापना की सौवीं सालगिरह पर यह संगठन एक तरफ शस्त्रपूजन करने जा रहा है, वहीँ दृ जैसी कि खबर है दृ दूसरी तरफ उसके लोग गांधी प्रतिमा पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए गांधी की प्रिय रामधुन का जाप भी करने वाले हैं। वैसे इस तरह की कलाबाजियां दिखाने में संघ जन्मना दक्ष है। शताब्दी वर्ष से पहले विचार का खाका तैयार करने के लिए वर्ष 2022 में अहमदाबाद में हुई इसकी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के समय लगाई गयी आधिकारिक प्रदर्शनी में इसने जिन 200 राष्ट्रभक्तों की तस्वीरें लगाई थीं, उनमे मोहम्मद अली जिन्ना भी थे ; उन्हें भी सच्चा राष्ट्रभक्त बताया गया था। होने को तो इस फोटो गैलरी में वे मृणालिनी साराभाई और सैम पित्रोदा भी थे, जिनके पीछे आजकल यह गिरोह हाथ धोकर पीछे पड़ा हुआ है।

शताब्दी वर्ष में इस तरह के और भी कई प्रहसन होने जा रहे हैं। नए मुखौटे, नए–नए छद्म आवरणों की धजा सजाई जाने वाली हैं। जब ऐसा होगा, तो स्वाभाविक है इन सौ वर्षों में इस 'संगठन' की कारगुजारियों का आंकलन भी लिया जाएगा। हालांकि इसे संगठन कहना इसके रूप–स्वरुप को कम करके आंकना होगा। संगठन वे होते हैं, जिनका संविधान होता है, सदस्यता होती है, खाते और अकाउंट होते हैं, एक विधिवत निर्धारित कार्यपद्धति और उसके निर्वाह की सार्वजनिकता होती है, खुला. पन और उत्तरदायित्व होता है ; आर एस एस में इनमे से कुछ भी नहीं है। बहरहाल इसके किये–धरे के समग्र लेखे–जोखे को बाद के लिए छोड़ते हुए फिलहाल उन 'मूल्यों' की कसौटी पर ही एक सरसरी निगाह डाल लेते हैं, जिनके लिए यह स्थापित होने का दावा करता है। इसका दावा है कि "संघ का मिशन सहस्राब्दियों पुरानी विरासत के अनुरूप है, जिसमें मानव जाति की एकता, सभी धार्मिक परंपराओं की अंतर्निहित एकता, मानव की मूल दिव्यता, सजीव और निर्जीव, सभी प्रकार की सृष्टि की पूरकता और अंतर्संबंध, तथा आध्यात्मिक अनुभव की प्रधानता में विश्वास शामिल है।" वह यह भी दावा करता है कि "संघ सभी नागरिकों और जीवन की सभी गतिविधियों में देशभक्ति के संचार को प्राथमिकता देने में अद्वितीय है। राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए राष्ट्रीय चरित्र, मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण, अनुशासन, संयम, साहस और वीरता का पोषण आवश्यक है। इन सद्प्रेरणाओं का सृजन और पोषण देश के समक्ष सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य है – जिसे स्वामी विवेकानंद ने संक्षेप में मानव–निर्माण कहा है।"

मानव जाति की एकता और सभी धार्मिक परम्पराओं की अंतर्निहित एकता में इसका विश्वास कितना है, यह भारत की जनता के द्वारा माने जाने वाले विभिन्न धर्मों के प्रति इसके खुले वैमनस्य और उनके प्रति खुलेआम की जाने वाली हिंसा के रूप में बिना किसी अंतराल के, इन दिनों तो लगभग हर रोज, उजागर होता रहता है। यह चर्चों और उनसे जुड़े संस्थानों को फूंकने, मस्जिदों पर चढ़कर भगवा झंडे फहराते हुए उत्पात मचाने, स्कूल–कॉलेज में लड़कियों की पढ़ाई उनके परिधानों के आधार पर रोकने, सार्वजनिक सांस्कृतिक समारोहों में दूसरे धर्मों के लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित करने और रेलगाड़ियों में सोते हुए यात्रियों को जगाकर उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मार देने तक पहले ही जा पहुंचा था। इस तिरस्कार और द्वेष से इसने पृथ्वी के इस हिस्से में जन्मे बौद्ध, जैन, सिख, आजिविक और श्रमण धर्मों को भी नहीं बख्शा। इन दिनों इसने अपना दायरा और बढ़ाकर उसकी चपेट में उन पंथों और सम्प्रदायों और धार्मिक धाराओं को भी ले लिया, जिन्हें आमतौर से व्यापक हिंदू धर्म परम्परा का हिस्सा माना जाता था। हिन्दू धर्म के आधार पर हिन्दू राष्ट्र की स्थापना का दावा करने वाला संघ अब हिन्दू धर्म की बात करना ही बंद कर चुका है ; उस सनातन पर लौट आया है, जिसके खिलाफ हुए तीखे संघर्ष ने ही इस देश की धार्मिक और दार्शनिक परम्परा को समृद्ध किया था । कुछ हद तक मानवीय बनाया था।

रही "सभी नागरिकों और जीवन की सभी गति. विधियों में देशभक्ति के संचार को प्राथमिकता देने" की बात तो इस मामले में तो सचमुच संघ का रिकॉर्ड अद्वितीय है। राजनीतिक भौगोलिक रूप से इस भारत देश का निर्माण जिस 90 वर्ष के महान स्वतंत्रता संग्राम से हुआ, उसमें 1925 में अपनी स्थापना के बाद से आरएसएस ने जो भूमिका निबा. ही है, उसे इसके अंधभक्तों को छोड़कर बाकी देश और दुनिया अच्छी तरह जानती है। स्वतन्त्रता संग्राम का विरोध, 15 अगस्त 1947 के दिन काले झंडे फहराना, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को अपशकुनी बताते हुए धिक्कारना, नए भारत के संविधान निर्माण के खिलाफ आन्दोलन करना इतिहास में दर्ज है। आजादी के मात्र साढ़े पांच महीने के भीतर ही देश के सबसे बड़े व्यक्ति महात्मा गांधी की हत्या कर राष्ट्र को अस्थिर बनाने की साजिश रचना इनकी देशभक्ति का एक और उदाहरण है। इनके विचार आराध्य सावरकर की इंग्लैंड की महारानी को लिखी चिट्ठियाँ आज भी माफीनामों के लेखन का आदर्श प्रतिरूप बनी हुई हैं। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की देशभक्ति की गाथा 1920 के दशक में, जब संघ के सह–संस्थापक हेडगेवार इसके पहले सरसंघचालक बने, तो जिन बालाजी हुद्दार को पहला सरकार्यवाह नियुक्त किया गया था, उनने लिखी हुई है। हुद्दार बताते हैं कि जब वे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से मुलाक़ात के लिए समय लेने हेडगेवार के पास पहुंचे, तो उन्होंने अपने स्वास्थ्य का बहाना बना कर किस तरह नेताजी से मिलने तक से मना कर दिया था। वे लिखते हैं कि सरसंघचालक उस दिन खूब मजे में स्वयसेवकों के साथ हंसी ठिठोली कर रहे थे, बीमार नहीं थे रू संघ आजादी के आंदोलन में शामिल होकर अंग्रेजों की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहता था। उन दिनों वह अंग्रेजी सेना तथा पुलिस में भर्ती करने के अभियान में जुटा हुआ था और अंग्रेजी सरकार के श्फूट डालो और राज करोश की नीति को आगे बढ़ा रहा था।

देशभक्ति की 'अद्वितीयता' की यह परम्परा आज तक जारी है रू पिछले डेढ़ दशक में पाकिस्तान की आई एस आई के लिए जासूसी करते हुए जितने भी लोग पकडे गए हैं, उनमें जितने इनकी राजनैतिक वैचारिक संबद्धता वाले है, उतने किसी और के नहीं। अभी दो साल पहले खुद प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष नियंत्रण में चलने वाले सुरक्षा संस्थान डी आर डी ओ में पकड़ा गया साईंटिस्ट प्रदीप कुरुलकर तो तीन पीढ़ी से संघ संस्कारित स्वयंसेवक था। रही चरित्र निर्माण और व्यक्ति निर्माण की बात, तो ये जितना चुप्प रहें, उतना ही इनके लिए अच्छा होगा। आर्थिक भ्रष्टाचार, व्यापम से लेकर धार्मिक मेलों और मंदिरों तक के नाम पर जितने घोटाले इस कुनबे ने किये हैं, उसका मुक. ाबला तो सकल ब्रह्माण्ड में कोई नहीं कर सकता रू ऐसा करते में इनने अपने उन भगवानों को भी नहीं बख्शा, जिनके नाम पर सत्ता में पहुंचे। इस देश में सी डी उद्योग तो इन्ही के कारनामों के आधार पर खड़ा और फलाफूला है ; इस धतकरम में भी इन्होने अपने कुनबाईयों को प्राथमिकता देना नहीं भूला।

राष्ट्र के एकीकरण और उसे मजबूत शक्ति के रूप में विकसित करने का इनका दावा कितना सच्चा है, यह इनके राज में हुए मणिपुर और इन दिनों हो रहे लद्दाख से साफ़ हो जाता है। बात मजबूती की करते रहे और राष्ट्र को भीतर और बाहर दोनों तरह से कमजोर करते रहे। भारतीय अवाम के भीतर उसके समुदायों, सम्प्रदायों, जातियों और राज्यों, भाषाओं और संस्कृतियों में एक दूसरे के प्रति अविश्वास, एक दूजे से अलगाव का जो काम पाकिस्तान और अमरीका मिलकर पिछले 70 साल में कई अरब डॉलर खर्च करके नहीं कर पाया, वह विग्रह, विभाजन और विखंडन का काम सत्ता का आश्रय पाने के बाद आरएसएस ने महज एक दशक में कर दिखाया। सेना में भर्ती पर रोक, अग्निवीर जैसी आत्मघाती और अदूरदर्शी योजनाओं और रक्षा उत्पादनों के निजीकरण और राफेल जैसे महाघोटालों से इस देश की सामरिक सामर्थ्य में जो दीमक लगाई है, उसकी भी दुनिया में कोई मिसाल नही है।

यही संकीर्ण और दिवालिया विचारधारा है, जिसने एक जमाने में विश्व के सवा सौ देशों के नेता रहे भारत को आज दुनिया भर में इस कदर अलग–थलग कर दिया है कि एक भी पड़ोसी के साथ संबंध अच्छे नहीं बचे है। कुल मिलाकर यह कि इनने भारत को एक ऐसे मुकाम पर लाकर खडा कर दिया है, जहां इनके रहते अब उसे किसी बाहरी दुश्मन की जरूरत ही नहीं है।

यही हालत इनके राष्ट्रवाद की है रू अब किसी जमाने में जम्बू द्वीप कहे जाने वाला कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक की भौगोलिकता में बंधा राष्ट्र इनका राष्ट्र नहीं है ; अब अडानी ही राष्ट्र है दृ राष्ट्र ही अडानी है। इस कदर

ि क

देश, संविधान, राजनीति यहाँ तक कि धर्म तक की आलोचना की जा सकती है, किन्तु इनके परमपिता परमात्मा अडानी के बारे में चूं तक नहीं की जा सकती। हिंडनबर्ग घोटाले के भांडाफोड़ के समय एक व्यक्ति की बेईमानी के मामले को राष्ट्र पर हमला बताया गया, अब रही सही कसर पूरी करते हुए संघ के स्वयंसेवक के प्रधानमंत्रित्व वाली सरकार ने सभी वेबसाइट्स, न्यूज़ पोर्टल्स, मीडिया समूहों को अडानी से जुडी सारी खबरों को हटाने का फरमान थमा दिया गया। वह भारत जिसने कभी ब्लासफेमी दृ ईशनिंदा दृ को अपराध करार देने वाला क़ानून नहीं बनाया, वहां अब इनके नए ईश्वर अडानी और उनकी कारगुजारियां सामने लाना अपराध बना दिया गया है।

हर फासिस्ट, हर तानाशाह, हर आतंकी मूलतः कायर होता है दृ वह अपने से बड़े को अपना बड़ा मानता है। जब जब, जो जो बड़ा होता जाए, उसे बड़ा मानता रहता है। सौ साल के हो रहे संघ के साथ भी यही है। इसके संस्थापक लिखा–पढ़ी में अपने जमाने के सबसे बड़े जालिम हिटलर को अपना आदर्श मानते थे, यहूदियों का सफाया करने के उसके बर्बरतम काम की सराहना करते हुए उससे सीखने की बात करते थे। आज वे यहूदीवादी नरसंहारी बेंजामिन नेतन्याहू के दीवाने बन उसकी आराधना कर रहे हैं। खुलेआम उस अमरीकी साम्राज्यवाद के पिछलग्गू बनने के लिए बिछे जा रहे हैं, जिसने कभी भारत के साथ सहानुभूति नहीं रखी रू हमेशा उसके बिखराव और घेराव की साजिशें रचीं। उस ट्रम्प को लुभाने के लिए मयूर नृत्य कर रहे हैं, जो न केवल सार्वजनिक रूप से भारत को जलील कर रहा है और उस पर टैरिफ और आर्थिक–व्यापारिक प्रतिबन्ध लगा रहा है, बल्कि पाकिस्तान को अपने दस्तरखान और ऊंचे मकामों पर बैठा रहा है। लगता है, राष्ट्र को गौरवशाली और महान बनाने का संघी तरीका यही है । गरज यह कि यह एक ऐसा 'संगठन' है, जिसने जब जब, जो जो करने का दावा किया है, तब तब ठीक उससे उलटा किया है। पहले से मौजूद शक्ति और सामर्थ्य को बढ़ाने की बजाय उसे कमजोर और ध्वस्त करने का काम किया है। यही सलूक देश के भविष्य को अज्ञान के अँधेरे में धकेलते हुए उसे विश्वगुरु बना बताने के लिए किया जा रहा है। इसके लिए हर प्रदेश में हजारों और देश भर में लाखों की तादाद में सरकारी स्कूल बंद करने, उच्च शिक्षा और खासकर विश्वविद्यालयों में पलीता लगाने, पाठ्यक्रम को अंधविश्वास और अंधश्रद्धा और अवैज्ञानिकताओं की मूर्खताओं से लबालब भरने की मोडस ओपरेंडी अपनाई जा रही है। महिलाओं के खिलाफ मुहिम तो और भी भयानक है। मकसद एक ऐसा समाज बनाना है, जहां कोई सर उठाकर चलने की सोच भी न सके। असली उद्देश्य वर्णाश्रम आधारित, मनु की ढाली बेड़ियों में जकड़े ब्राह्मणवादी सामाजिक ढाँचे की बहाली है। इन पूरे एक सौ साल में आरएसएस इसी दिशा की ओर बढ़ता रहा ; सत्ता में आने के बाद उसी तरफ लौटने की रफ़्तार

■ शेष पेज 6...

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

■ शेष पेज 5 से...

तेज की है। स्वाभाविक भी है रू ब्राह्मण युवाओं के आक्रामक संगठन के रूप में संघ की स्थापना उस दौर में हुई थी, जब महाराष्ट्र जाति की जड़ता के खिलाफ आंदोलनों के तूफानों में जाग रहा था। जोतिबा फुले से लेकर शाहू जी महाराज जैसों की अगुआई में आयी जगार ने ब्राह्मणवादी सोच और जीवन शैली की चूलें हिला दी थीं। सत्यशोधक समाज एक राजनीतिक शक्ति बन रहा था दृ कम्युनिस्ट मजदूर–किसानों के बीच आधार बना रहे थे। संघ के सौ साल इस सर्वथा अस्वीकार्य को स्वीकार्य बनाने का माहौल बनाने के लिए लगातार पाखंड के सौ साल हैं। उन्हें पता है कि भले वह भेड़ की कितनी ही खालें ओढ़ ले, लोग आसानी से झांसे में नहीं आयेंगे। इसीलिये कभी वह बिना यह बताये कि उन्होंने असल में संघ के बारे में क्या कहा था, गांधी के शाखा में आने की अफवाह फैलाता है, तो कभी डॉ. अम्बेडकर के आने का झूठ फैलाता है। कभी दावा करता है कि 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में उसने भाग लिया, तो कभी न जाने कितनी आपदाओं में सेवाकार्यों के अति. रंजित दावे करता है। इस तरह के उधार की आभा से वह अपनी असलियत को छुपाना चाहता है। मगर अब लोग इस पाखंड को समझ गए हैं। मजे की बात यह है कि सब कुछ के बावजूद ज्यादातर संघी अभी भी खुद को संघी बताने में झेंपते सकुचाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस गवई की माँ कमलताई गवई के संघ के एक शताब्दी कार्यक्रम में बुलाने का झूठा एलान इसी तरह का था, जिसका सटीक जवाब देते हुए श्रीमती गवई ने कह दिया कि "वे बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों और भारतीय संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं, लिहाज़ा ऐसे किसी भी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकतीं हैं, जो सामाजिक चेतना को नुकसान पहुंचाता हो।

उन्होंने मीडिया में किए जा रहे उस प्रचार को निंदनीय बताया, जिसमें कहा जा रहा है कि वे संघ के कार्यक्रम में भाग लेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो संघ की ओर से किसी ने उनसे संपर्क किया है और न ही उन्होंने संघ के कार्यक्रम में शामिल होने की स्वीकृति दी।" इस तरह की प्रतिक्रिया किसी भी स्वाभिमानी संगठन को शर्मसार करने वाली है, मगर संघ संघ है, उसने अब इस बुजुर्ग महिला के खिलाफ ही घृणित अभियान छेड़ दिया है। यही निर्लज्ज पाखण्ड है, जो सरसंघचालक के शताब्दी वर्ष के दशहरा भाषण के मुख्य अतिथि के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का चयन करके किया गया है। इसके पीछे उनका पूर्व राष्ट्रपति होना कम, दलित सामाजिक पृष्ठभूमि का होना ज्यादा है, जिसकी वजह से उन्हें नयी संसद के शिलान्यास और उनके बाद बनी मुर्मू को उदघाटन में नहीं बुलाया गया था। ऐसा ही पाखण्ड टिकिट और सिक्का जारी करते हुए कटु और कर्कश वचनों के महारथी स्वयंसेवक प्रधानमंत्री ने किया, जब उन्होंने दावा ठोका कि ष100 वर्ष में, कुछ अच्छा, कम अच्छा हुआ, मगर संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई !! इस टिप्पणी का शीर्षक अमीर मीनाई साहब की मशहूर ग़ज़ल से लिया गया है ; इसी के शेर में कहें, तो संघ को यह गुमान है कि "वो बेदर्दी से सर काटें श्अमीरश और मैं कहूँ उन से/ हुजूर आहिस्ता आहिस्ता जनाब आहिस्ता आहिस्ता।" उन्हें यह भ्रम है कि इस तरह के शिगूफों की आड़ में उसके इरादे छुप जायेंगे। पूरे एक सौ साल में ऐसा नहीं हुआ। हालांकि यह गलतफहमी पालना भी ठीक नहीं होगा कि संघ के मंसूबे पूरी तरह पूरे न होने की स्थिति हमेशा बनी रहेगी। आँख मूंदने से खतरे नहीं टलते, खतरे तभी टलते हैं, जब उन्हें उनकी समग्रता में चीन्हा जाए और उनका मुकाबला किया जाए। यह अलग विषय है दृ इस पर अलग से फिर कभी। (लेखक श्लोकजतनश के सम्पादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं। संपर्क रू 94250–06716)

भीड़ प्रबंधन में कुछ तो गड़बड़ है३ तमिलनाडु भगदड़ हादसे के बाद बोले शशि थरूर- बननी चाहिए सिस्टमैटिक पॉलिसी

तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ से 40 लोगों की जान चली गई और 95 घायल हुए. इस पर पीएम मोदी, सीएम स्टालिन और एक्टर विजय ने मुआवजे का ऐलान किया है.

नई दिल्ली

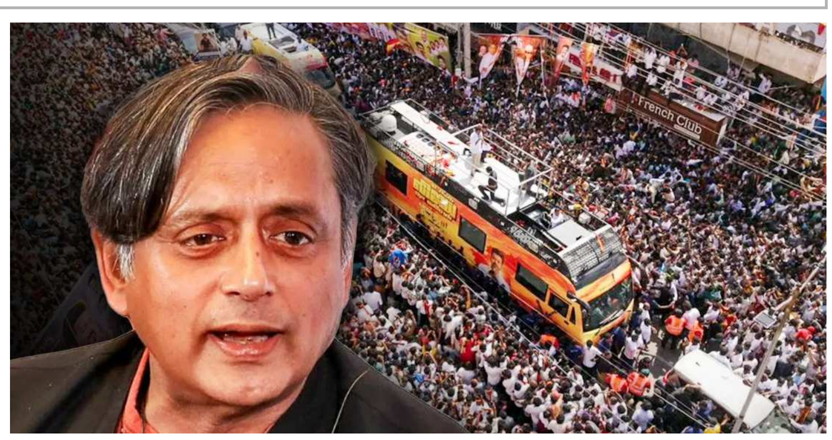

तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में भगदड़ के कारण 40 लोगों की जान चली गई. इसके साथ ही 95 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं. पीएम मोदी से लेकर कई नेताओं ने इस घटना पर दुख जाहिर किया है. सीएम स्टालिन और पीएम मोदी ने मुआवजे का ऐलान किया है. इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी दुख व्यक्त किया है. इसके साथ ही उन्होंने भीड़ नियंत्रण पर कई सवाल खड़े किए हैं.

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, "यह एक बहुत ही दुखद और दर्दनाक स्थिति है. हमारे देश में भीड़ प्रबंधन में कुछ गड़बड़ है. हर साल, ऐसा लगता है कि कोई न कोई हादसा हो ही जाता है. हमें बेंगलुरु की याद आती है. जब हम इन भगदड़ों में बच्चों के मारे जाने की खबर सुनते हैं, तो यह बहुत ही दुखद होता है.

भीड़ कंट्रोल करने के लिए बनाए जाएं नियम

शशि थरूर ने कहा कि मेरे लिए, यह तर्क है कि हम आम लोगों की सुरक्षा के लिए नेशनल लेवल पर एक व्यवस्थित नीति के तौर पर क्या कर सकते हैं. लोग किसी नेता को सुनने के लिए, जो संयोग से एक फिल्म स्टार भी है, या क्रिकेटरों को देखने के लिए, जो हमारे लिए भी स्टार हैं जाते हैं. इसमें जरूरी बात यह होनी चाहिए कि कुछ नियम, मानक और प्रोटोकॉल होने चाहिए.

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों से अपील करता हूं कि वे किसी भी परिस्थिति में सभी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुत सख्त नियम बनाए जाएं. हमें इन भयानक भगदड़ों में अपनों के खोने का दुःख और पीड़ा बेवजह न झेलनी पड़े."

सीएम और पीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

करूर हादसे में अब तक 40 लोगों की जान जा चुकी है. सीएम स्टालिन ने मृतकों के परि. जनों को 10 और घायलों को 1 लाख रुपये का ऐलान किया है. इसके साथ ही पीएम ने पीएम राहत कोष से मृतकों को 2 लाख रुपये वहीं एक्टर विजय ने मृतकों के लिए 20–20 लाख और घायलों के लिए 2 लाख रुपये देने का ऐलान किया है.

कहां से आएगा इतना पैसा... नीतीश सरकार की घोषणाओं पर तेजस्वी ने उठाए सवाल, बोले-जनता को गुमराह कर रहे सीएम

नई दिल्ली

बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हुए हैं. सूबे की सत्ता पर काबिज होने के लिए जनता से लोकलुभावन वादे किए जा रहे हैं. वहीं आरोप–प्रत्यारोप का दौर भी जारी है. इस बीच रविवार (28 सितंबर) को नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा. तेजस्वी यादव ने त्श्रक कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और बजट को लेकर गंभीर आरोप लगाए.

उन्होंने कहा कि पिछले 20 सालों से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं लेकिन आज भी प्रदेश भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की मार झेल रहा है. आरजेडी नेता ने राज्य सरकार की बजट और हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को गुमराह कर रहे हैं.

उन्होंने कहा पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है.

राष्ट्र सेवा, त्याग और अनुशासन... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में की संघ की तारीफ

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात के 126वें वें एपिसोड के जरिए देश को संबोधित किया. इस दौरान पीएम मोदी ने बंगाल के दुर्गा पूजा का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत सरकार के प्रयासों के कारण, कोलकाता की दुर्गा पूजा यूनेस्को की सूची का हिस्सा बनी है. इसके साथ ही उन्होंने स्वर कोकिला लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर याद करते हुए उनको नमन किया.

मन की बात के 126वें एपिसोड में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "यह विजयादशमी एक और कारण से भी बेहद खास है. इस दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं. एक शताब्दी की यह यात्रा जितनी अद्भुत, अभूतपूर्व और प्रेरणादायक है, उतनी ही अद्भुत भी है. उन्होंने कहा कि 100 साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी. तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था. सदियों से चली आ रही इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी. दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता पहचान के संकट से जूझ रही थी. हमारे नागरिक हीन भावना का शिकार हो रहे थे.

त्याग और सेवा ही संघ की सच्ची शक्ति– पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि त्याग और सेवा की भावना और अनुशासन की शिक्षा, संघ की सच्ची शक्ति है. आज, आरएसएस सौ वर्षों से अथक और अविचल रूप से राष्ट्र सेवा में लगा हुआ है. इसीलिए हम देखते हैं कि जब भी देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आती है, तो आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले वहां पहुंचते हैं. 'राष्ट्र प्रथम' की यह भावना लाखों स्वयंसेवकों के जीवन के प्रत्येक काम और प्रत्येक प्रयास में सदैव सर्वोपरि रहती है.

पीएम मोदी ने कहा कि साल 1925 में विजयादशमी के मौके पर संघ की स्थापना की गई थी. डॉ साहब के जाने के बाद गुरु जी गोलवलकर ने राष्ट्र सेवा के इस महायज्ञ को आगे बढ़ाया.

ईडी ने जब्त कीं 153.16 करोड़ की अचल संपत्तियां... धोखाधड़ी के मामले में बड़ा एक्शन

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय की गुरुग्राम जोनल टीम ने धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई की है. ईडी ने मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड और उसकी समूह संस्थाओं के पूर्व प्रमोटरों के साथ ही उनके प्रमुख सहयोगियों की 153.16 करोड़ रुपए की अचल/चल संपत्तियां कुर्क की हैं. कुर्क की गई संपत्तियों में राजस्थान के कोटपुतली के बहरोड़ में 29.45 एकड़ जमीन, गुरुग्राम के सेक्टर–49 स्थित यूनिवर्सल ट्रेड टॉवर में कई इकाइयां और 3.16 करोड़ रुपए की फिक्स डिपॉजिट शामिल हैं. ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 17.09.2025 के अस्थायी कुर्की आदेश के तहत की है. गिरफ्तार पूर्व प्रमोटरों और अन्य प्रमुख लोगों को आरोपी बनाते हुए गुरुग्राम की विशेष पीएमएलए अदालत में 19.09.2025 को एक अभियोजन शिकायत भी दायर की गई है.

ईडी ने दिल्ली–एनसीआर में मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटरों रमन पुरी, विक्रम पुरी और वरुण पुरी के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज 30 से ज़्यादा एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की. ये एफआईआर रियल एस्टेट परियोजनाओं को समय पर पूरा न करने और घर खरीदारों एवं निवेशकों को धोखा देकर वित्तीय नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज की गई थीं.

मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के तीनों प्रमोटरों और पूर्व निदेशकों को ईडी ने 22/7/2025 को पीएमएलए, 2002 के तहत गिरफ्तार किया था. फिलहाल सभी लोग न्यायिक हिरासत में हैं. इसके बाद, कंपनी को कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में ले जाया गया, जिसके परिणामस्वरूप घर खरीदारों और अन्य वित्तीय लेनदारों (एफसी) से जुड़ी एक समाधान योजना को मंजूरी मिली.

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने आदेश दिया कि कुछ संपत्तियां घर खरीदारों को सौंप दी जाएं, जिन्हें वित्तीय लेनदार माना गया था, जबकि शेष संपत्तियों का परिसमा. पन किया जाना था. घर खरीदारों द्वारा 15 सालों से अधिक समय तक इंतजार करने के बावजूद, प्रस्तावित समाधान के परिणामस्वरूप घर खरीदारों को इन परियोजनाओं में अपने निवेश को साकार करने के लिए अतिरिक्त धनराशि के रूप में अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ रही है.

अधिकांश घर खरीदारों ने 2010 से पहले अपने धन का निवेश किया था, और उन्हें अपने फ्लैटों या स्थानों का कब्जा प्राप्त करने में अतिरिक्त समय लगने की उम्मीद है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

डिजिटल पहचान संकट

संपादक – राज कुमार

भारत के सबसे जाने–पहचाने चेहरे यह महसूस कर रहे हैं कि स्टारडम, जो कभी सहज प्रभाव का स्रोत हुआ करता था, अब एक नए प्रकार की सतर्कता की मांग करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उदय ने किसी आवाज की नकल करना, वीडियो बनाना या तस्वीर को एक आकर्षक लेकिन झूठी वास्तविकता में बदलना खतरनाक रूप से आसान बना दिया है। सार्वजनिक हस्तियों के लिए, जिनकी पहचान उनकी मुद्रा है, खतरा केवल प्रतिष्ठा का नहीं है ़ यह अस्तित्व का है। इस लड़ाई के केंद्र में व्यक्तित्व अधिकारों की अवधारणा निहित है। ये अधिकार किसी व्यक्ति के अपने नाम, छवि, आवाज और विशिष्ट हावभाव या कैचफ्रेज़ पर उसके अनन्य दावे को मान्यता देते हैं। ये व्यक्ति को यह तय करने की अनुमति देते हैं कि उसके व्यक्तित्व का व्यावसायिक लाभ के लिए कब और कैसे उपयोग किया जा सकता है। व्यवहार में, इसका मतलब है कि एक ब्रांड किसी स्टार को विज्ञापन के लिए नियुक्त कर सकता है, लेकिन कोई भी कानूनी तौर पर किसी उत्पाद पर स्टार का चेहरा नहीं चिपका सकता है या उसकी सहमति के बिना नकली वीडियो नहीं बना सकता है। सिद्धांत सीधा है; अदालतें निजता, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क प्रावधानों के एक–एक टुकड़े पर निर्भर करती हैं और मामले दर मामले मिसाल कायम करती हैं। यह सामान्य–कानूनी लचीलापन न्यायाधीशों को नई तकनीक द्वारा नए नुकसान पैदा करने पर सुधार करने की अनुमति देता है। फिर भी, यह खतरनाक खामियाँ भी छोड़ देता है। कोई सेलिब्रिटी आमतौर पर किसी आपत्तिजनक वीडियो या उत्पाद को हटाने के लिए निषेधाज्ञा प्राप्त कर सकता है, लेकिन हर्जाना प्राप्त करना कठिन होता है और मरणोपरांत सुरक्षा लगभग नदारद होती है। जनरेटिव एआई में तेज़ी से प्रगति का मतलब है कि मिनटों में एक विश्वसनीय डीप–फ़ेक बनाया जा सकता है, जिससे पीड़ितों को कानूनी मदद के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इस अधिकार को निजता का विस्तार माना जाता है, जिसे भारतीय न्यायशास्त्र व्यक्ति के साथ ही समाप्त मान लेता है। ऐसे युग में जब डिजिटल हेरफेर ऑनलाइन अनिश्चित काल तक जारी रह सकता है, ऐसी सीमाएँ पुरानी लगती हैं। मृत अभिनेताओं का मामला, जिनकी प्रतिमाओं को परिवार की सहमति के बिना पुनः उपयोग में लाया गया, उस अधिकार की अपर्याप्तता को उजागर करता है जो मृत्यु के साथ समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत, कुछ अमेरिकी राज्य प्रचार अधिकारों को विरासत में मिलने वाली संपत्ति मानते हैं, जिससे सम्पदाएँ दशकों तक किसी सेलिब्रिटी की छवि को नियंत्रित और मुद्रीकृत कर सकती हैं। किसी वैधानिक अधिकार को सं. हिताबद्ध करना कोई रामबाण उपाय नहीं होगा ़ कानून अनिवार्य रूप से तकनीकी परिवर्तन से पीछे रहते हैं ़ लेकिन इससे स्पष्ट सीमाएँ और मज़बूत निवारक तत्व ज़रूर बनेंगे। मुआवज़े के स्पष्ट प्रावधान, त्वरित निष्कासन तंत्र और मरणोपरांत अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को व्यक्ति की पहचान की रक्षा के मौलिक अधिकार के साथ संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। फिर भी, अकेले कानून समस्या का समाधान नहीं कर सकता। जागरूकता और सतर्कता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। मशह. ूर हस्तियों, उनके प्रतिनिधियों और आम नागरिकों को समान रूप से अपनी डिजिटल तस्वीरों के दुरुपयोग की निगरानी करना और तुरंत कार्रवाई करना सीखना होगा। वायरल सामग्री से लाभ कमाने वाले प्लेटफ़ॉर्म को भी डीप–फेक सामग्री के फैलने से पहले ही उसका पता लगाने और उसे हटाने की ज़्यादा ज़िम्मेदारी उठानी होगी। भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था व्यक्तित्व की शक्ति पर फलती–फूलती है। उस शक्ति की रक्षा अब केवल प्रसिद्धि की रक्षा के बारे में नहीं है; यह एक ऐसी दुनिया में व्यक्तिगत स्वायत्तता की रक्षा के बारे में है जहाँ एल्गोरिदम बेहद सटीकता के साथ मानवता की नकल कर सकते हैं। कानून को भी इसमें शामिल होना होगा, और साथ ही भ्रम की तुलना में प्रामाणिकता को महत्व देने के हमारे सामूहिक संकल्प को भी।

राष्ट्र संस्कृति से साक्षात्कार कराता पं. दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन

मुरारी त्रिपाठी अटल

भारतीय राजनीति के वृहदाकाश में दैदीप्यमान पं. दीनदयाल उपाध्याय अपने राष्ट्रीय विचारों और प्रखर चिंतक, विचारक के तौर पर लब्धप्रतिष्ठित हैं। सनातन हिन्दू संस्कृति के मुखर पक्षधर और तदानुरुप रीति–नीति के आधुनिक राजनीतिक प्रवर्तकों की अग्रगण्य पंक्ति में उनकी गिनती होती है। पंडित जी ने केवल विचार ही नहीं दिए..अपितु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ के माध्यम से विचारों को धरातलीय रूप भी दिया। एकात्म मानव दर्शन और अन्त्योदय जैसे मूल्य जनसंघ से होते हुए वर्तमान भाजपा की नीतियों में स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। पण्डित जी विचारकों में प्रतिष्ठित व सुशोभित होने के साथ–साथ ही चिन्तन और दर्शन के बहुआयामी लोकल्याणकारक मान–बिन्दुओं के द्वारा नूतन प्रस्थापनाएँ करते हैं। साथ ही वैचारिक और कार्य स्तर पर कई सारी भ्रामक, अहितकारी रूढ़ियों को तोड़ते हुए भारतीयता के अनुरूप मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके विचार एवं दर्शन के विविध रुप हैं जिनमें उनका राजनीतिक दर्शन भी अपने आप में अनूठा है। उनके राजनीतिक दर्शन के मूल में भी दृ 'राष्ट्र', संस्कृति, धर्म, उच्च्च आदर्श और समाज है। वे स्पष्ट उद्घोषणा करते हैं कि 'राजनीति राष्ट्र के लिए' ही होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की संकीर्णता या स्वार्थ प्रेरित हित लाभ के दृष्टिकोण– अराष्ट्रीय प्रवृत्ति एवं भारत की राष्ट्रीयता के लिए एक प्रकार का खतरा ही हैं। वे राजनीतिक शुचिता व राजनीति, दल, विचारधारा के मूल में राष्ट्रोन्नति और जनकल्याण को ही रखते हैं। येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति , अवसरवादिता और मूल्यों से पृथक राजनीति को तिलाञ्जलि देते हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय एक श्रेष्ठ चिंतक–विचारक होने के साथ सजग थे। उन्होंने भारत ही नहीं बल्कि विश्व परिदृश्य में गहरा हस्तक्षेप करने वाली विचारधाराओं का गहन अध्ययन किया था। भारतीय दृष्टि के आधार पर उनका विश्लेषण और मीमांसा की थी।वे भारतीय राजनीति और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव रखने वाली विच. ारधाराओं की तात्विक समीक्षा करते हुए उनका नीर–क्षीर विवेचन करते हैं। साथ ही स्वातन्त्र्योत्तर काल के उपरान्त पश्चिमी प्रभाव से ग्रस्त राजनीतिज्ञों की 'स्वदेशी' की ओर न देखकर पश्चिम के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति का विरोध करते हैं। पश्चिमी अन्धानुकरण की प्रवृत्तियों को पंडित जी भारत और भारतीयता के लिए आत्मध्वन्सात्मक बतलाते हैं। उनके मतानुसार दृ आधुनिक पाश्चात्य देशों का उदय केवल पाँच सौ से सात सौ वर्षों की अवधि के पूर्व ही हुआ है, किन्तु भारत हजारों वर्षों से आसेतु हिमालय की भाँति एक उत्कृष्ट राष्ट्र के रूप में अवस्थित है। अतएव वे पाश्चात्य देशों की कसौटी और उनके निष्कर्षों पर भारत के आँकलन और अनुकरण करने को न्यायसंगत नहीं मानते हैं। दीनदयाल जी का मानना था कि दृ "जो हमारा है उसे समयानुकूल बनाया जाए तथा जो विदेशी है, उसे राष्ट्रानुकूल बनाया जाए।" वे भारतीय समाज में केवल विदेशी होने के कारण श्रेष्ठताबोध और भारतीय होने के कारण उसे उपेक्षित और नकारने की दुष्प्रवृत्ति का विरोध करते हैं।

चूँकि राजनीतिक अन्धानुकरण के चलते स्वातंत्र्योत्तर भारत में पराजयबोध, हीनभावना की व्याप्ति अकादमिक स्तर पर क्रमशः स्थापित की गई। इसलिए वे इस पर तीक्ष्ण प्रहार करते हुए कहते हैं ष्" स्वत्व एवं स्वाभिमान का मेरुदण्ड सीधा तना न हो तो विश्व में भौतिक दृष्टि से बलशाली, प्रभावशाली,विजयशाली तथा वैभवशाली माने जाने वाले राष्ट्रों का अनुसरण करने की प्रवृत्ति बल पकड़ती है। अपने पिछड़े और दरिद्र समाज से लज्जा आने लगती है। यह अनुसरण बड़ी बातों से लेकर छोटी–छोटी दैनिक बातों तक छनता चला आता है।"

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विभिन्न विचारधाराओं और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है। वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षतः यह कहते हैं कि –पश्चिम की नकल 'मॉडर्न' होने का प्रमाण बन गया है। यह चहुँमुखी अनुकरण ठीक नहीं, क्योंकि पश्चिमी चिन्तन और व्यवस्था मानव कल्याण में असफल रही है। आगे वे मैकॉले शिक्षा प्रणाली और उसके दुष्प्रभाव पर कहते हैं दृ "किसी ने स्वदेशी पर जोर दिया तो उसे असभ्य बता दिया जाता है। हम ब्रिटिशों से हार गए। चालाक मिशनरियों तथा शासकों ने मैकॉले शिक्षा प्रणाली के माध्यम से हमारे मन में अनेक बीज बो दिए। तब से हमारे शिक्षितों में और उनकी देखादेखी समाज के अन्य लोगों में भी पाश्चात्यों के अनुकरण की प्रवृत्ति बढ़ती गई है। स्वतन्त्रता के बाद तो वह निरंकुश हो गई है।"

वे मार्क्स के दर्शन के पूर्णतः 'भौतिकवादी' होने के सिद्धांत को अनुपयुक्त मानते हैं जिसके उदाहरण के तौर पर वो रूस, चीन के क्रूर प्रकरणों का विश्लेषण करते हैं। वहीं पंडित जी'समाजवाद' और 'लोकतान्त्रिक समाजवाद' के द्वारा मनुष्य की स्वतन्त्रता की समाप्ति और समाजवाद के द्वारा मानवीय जीवन में राज्य के वर्चस्व को भी अस्वीकार करते हैं। वे कहते हैं कि 'लोकतान्त्रिक समाजवाद' जैसी कोई चीज नहीं है, शब्द भर है। क्योंकि समाजवाद लाने में लोकतन्त्र की हत्या करनी पड़ती है। साथ ही उन्होंने पूँजीवादी व्यवस्था को भी मानव कल्याण के लिए असफल माना है। इन सबका हल सुझाते हुए वे कहते हैं कृ "विश्व की समस्याओं का हल समाजवाद पूँजीवादी लोकतन्त्र नहीं, वरन् हिन्दूवाद है। यही एक ऐसा जीवनदर्शन है जो जीवन का विचार करते समय उसे टुकड़ों में नहीं बाँटता, अपितु सम्पूर्ण जीवन को इकाई मानकर उसका विचार करता है।"

वे इसे हिन्दुत्व और मानवता के तौर पर स्वीकार किए जाने की बात करते हुए स्पष्ट कहते हैं कि –"यही भारत की आत्मा के अनुरूप व जनमानस में उत्साह को सञ्चारित करेगा। साथ ही विभ्रान्ति के चौराहे में खड़े विश्व के लिए मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेगा।"

पंडित जी राष्ट्र को जीवमान इकाई मानते हुए कहते हैं किदृ "एक भूमि विशेष में रहने वाले लोगों का, जिनके हृदय में मातृभूमि के प्रति असंदिग्ध श्रद्धा का भाव हो, जिनके जीवनादर्शों में साम्य हो, जीवन के प्रति स्पष्ट दृष्टि हो, शत्रु–मित्र समान हों। ऐतिहासिक महापुरुष एक हों; इन सबसे राष्ट्र का निर्माण होता है। इसके विप. रीत आक्रान्ता से इसलिए सहानुभूति रखना कि वे हम–मजहब हैं, अराष्ट्रीय प्रवृत्ति है। "

इसी तरह वैश्विक राजनीति और भारतीय परिदृश्य में 'राष्ट्रवाद' सर्वदा चर्चित रहता है, भारत की वामपंथी विचारसरणी, सिद्धांत विहीन दल– भारतीय राष्ट्रवाद कृ राष्ट्रीय विचारों को प्रायः हिटलर, मुसोलिनी से जोड़कर लाँछित करने लगते हैं।

जबकि यह सर्वज्ञात तथ्य है कि भारत की राष्ट्रीय एकीकरण की भावना के कारण ही स्वातन्त्र्य यज्ञ सफल हुआ था, अन्यथा स्वतन्त्रता असंभव सी थी। जोकि समस्त क्षेत्रों की चैतन्यता के फलस्वरूप मिली।

पण्डित जी राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में विस्तृत व्याख्या करते हुए कहते हैं दृ"यूरोपीय राष्ट्रवाद और भारतीय राष्ट्रवाद में अन्तर है। यूरोपीय चिन्तन पारस्परिक संघर्ष की अवधारणा पर आधारित है। जबकि भारतीय राष्ट्रीयता का जन्म संघर्ष में नहीं हुआ है, अपितु सभ्यता के आरम्भ से ही भारत सांस्कृतिक राष्ट्र रहा है ; जिसमें कई राजनैतिक सत्ताएँ थी किन्तु 'राष्ट्र' एक था। भारत का राष्ट्रीय विचार न तो विस्तारवादी है, न ही साम्राज्यवादी और आक्रमणशील बल्कि भारतीय विचार 'वसुधैव कुटुम्बकम्' पर आधारित है जो प्राणिमात्र के प्रति कल्याण का भाव रखता है।"

भारतीय विचार की तुलना पर वे कहते हैं दृ "पश्चिम के राष्ट्रवाद से भारत के विचार की तुलना करना ही गलत है। पश्चिम ने द्वैत के आधार पर संघर्ष का नगाड़ा बजाया और भारत ने अद्वैत के आधार पर एकात्म की बाँसुरी बजायी। दोनों वाद्य होते हुए भी दोनों की स्वरलहरियों में भारी अन्तर है। इस भेद को समझकर हमें राष्ट्रवाद का विचार करना चाहिए।"

स्पष्ट है जब पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राष्ट्रवाद शब्द का प्रयोग करते हैं तो यहां वे 'राष्ट्रीयता' को ही संबोधित करते हैं। आगे पंडित जी वे भूमि, जन, संस्कृति के संघात से राष्ट्र के निर्माण की बात कहते हैं। उनकी दृष्टि में भारतीय संस्कृति का अभिप्राय ही 'हिन्दू संस्कृति' है।

साथ ही उनके मतानुसार भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। भारत की एकात्मता तभी सम्भव है, जब संस्कृति के प्रति निष्ठा रहे। वे हिन्दू संस्कृति, शक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सम्बन्ध में यथार्थबोध प्रस्तुत करते हैं दृ "भारतीय राष्ट्रवाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है, क्योंकि भारतवर्ष को राजनीति और हमलावरों ने कई बार विखण्डित किया, किन्तु संस्कृति ने उसे कश्मीर से कन्याकुमारी तक अखण्ड रखा। जहाँ हिन्दू संस्कृति और हिन्दू धर्म कमजोर हुआ वह हिस्सा भी देश से कट गया।"

इन्हीं सब कारणों के चलते भारत और भारतीयता की मूल पहचान के रूप में हिन्दू संस्कृति को केन्द्र व मानबिन्दु के रूप में रखते हैं। साथ ही वे भारत में व्याप्त विविधताओं में पृथकता के स्थान पर 'एकत्व' को प्रतिष्ठित करते हुए भाषा,प्रान्त, वेशभूषा, खान–पान,रहन–सहन उपासना पद्धति के आधार पर किसी भी प्रकार के विभाजन की विकृति को अस्वीकार करते हैं। सभी के मध्य सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोई हुई माला के रुप में राष्ट्रीय चेतना और भारतमाता की भव्य झाँकी को देखते हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जीडीसी, कठुआ ने विश्व हृदय दिवस और विश्व रेबीज दिवस मनाया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (जीडीसी), कठुआ के विज्ञान क्लब ने षविश्व हृदय दिवसष और षविश्व रेबीज दिवसष के उपलक्ष्य में क्रमशः षबीट मिस न करेंष और षअभी कार्य करेंरू आप, मैं और समुदायष थीम पर एक पोस्टर प्रदर्शनी और जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज की सम्मानित प्राचार्य डॉ. सवी बहल के संरक्षण में आयोजित किया गया और विज्ञान क्लब के संयोजक एवं प्राणि विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. रूप के. पंडिता की देखरेख में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र समुदाय को हृदय स्वास्थ्य के महत्व और रेबीज, जो एक घातक लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी है, की रोकथाम के बारे में शिक्षित करना था।

इस अवसर पर बोलते हुए, कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सवी बहल ने ऐसे सामुदायिक मुद्दों से संबंधित जन स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने में छात्रों के नेतृत्व वाली पहल के महत्व पर ज़ोर दिया। प्राचार्या ने आगे कहा कि षऐसे आयोजन हमारे युवाओं में ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए बेहद ज़रूरी हैं।ष उन्होंने ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए विज्ञान क्लब के प्रयासों की भी सराहना की।

पोस्टर प्रदर्शनी में छात्रों की रचनात्मकता और शोध का प्रदर्शन किया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर जानकारीपूर्ण और आकर्षक पोस्टर तैयार किए। वरिष्ठ संकाय सदस्यों और विज्ञान क्लब के सदस्यों ने पोस्टर प्रस्तुत करने वाले छात्रों से बातचीत की और कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें सम्मानित भी किया।

पोस्टर प्रदर्शनी के बाद परिसर में एक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से बैनर और नारे लेकर मार्च निकाला गया, जिनमें हृदय स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आदतों की वकालत की गई और छात्रों को रेबीज के नियंत्रण और उन्मूलन के प्रति संवे. दनशील बनाया गया। रैली का उद्देश्य व्यापक छात्र समुदाय को शामिल करना और इन मुद्दा. ें और समाज पर उनके प्रभाव के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करना था।

विज्ञान क्लब के संयोजक, प्रो. रूप. के. पंडिता ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। हमने इन दोनों दिवसों को एक साथ मनाने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि दोनों ही दिवसों की रोकथाम के लिए सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

षविश्व हृदय दिवस हमें अपने हृदय की देखभाल करने की याद दिलाता है, जबकि षविश्व रेबीज दिवसष एक घातक बीमारी को खत्म करने के लिए सामुदायिक कार्रवाई के महत्व पर ज़ोर देता है। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पोस्टरों के माध्यम से अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। इसके बाद, जागरूकता रैली में भी छात्रों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय सदस्यों में प्रो. नीलम भगत, प्रो. राकेश सिंह और डॉ. राम सिंह उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। विज्ञान क्लब के सदस्य, प्रो. राकेश सिंह, डॉ. कुलबीर सिंह, डॉ. रुचिका शर्मा, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. शिव कुमार, डॉ. दया राम और प्रो. निशा शर्मा (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) पूरे कार्यक्रम में छात्रों के साथ रहे और कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया।

मिथुन मन्हास के पैतृक गांव भलेसा में उनके बीसीसीआई अध्यक्ष बनने पर खुशी का माहौल

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के भलेसा की शांत घाटियों में खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई जब इसके यशस्वी पुत्र मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट के सबसे शक्तिशाली पद – भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष – पर आसीन हुए। 45 वर्षीय यह पूर्व क्रिकेटर रोजर बिन्नी का स्थान लेंगे, जिन्होंने 70 वर्ष की आयु में इस पद से इस्तीफा दे दिया था, और अब दुनिया के सबसे अमीर और प्रभावशाली क्रिकेट बोर्ड के 37वें अध्यक्ष बन गए हैं। भलेसा के लोगों के लिएकृजो राजसी चिनाब पर्वतमालाओं के बीच बसा है और अपने हरे–भरे घास के मैदानों, प्राचीन नदियों और गहरी सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता हैकृ यह उपलब्धि भावनात्मक और ऐतिहासिक महत्व रखती है। सोती गंडोह, जिटोटा, चिल्ली, नीली और बाथरी जैसे गाँवों में जश्न का माहौल रहा, जहाँ निवासियों ने मिठाइयाँ बाँटीं, पटाखे फोड़े और भारतीय क्रिकेट के सर्वोच्च पद पर अपनी धरती के एक सपूत के उल्लेखनीय उदय पर खुशी व्यक्त की।

12 अक्टूबर, 1979 को जन्मे मिथुन मन्हास की जड़ें डोडा ज़िले के भलेसा क्षेत्र में हैं, जो अपनी जीवंत परंपराओं, आतिथ्य सत्कार और सामुदायिक भावना के लिए जाना जाता है। सीमित खेल बुनियादी ढाँचे और युवावस्था में कम अनुभव के बावजूद, मन्हास के दृढ़ संकल्प और लगन ने उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट में सबसे सफल करियर में से एक बनाने में मदद की। मिथुन मन्हास ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत अंडर–15 और अंडर–19 स्तर पर जम्मू–कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए की थी। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन ने जल्द ही चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह मिल गईकृएक ऐसा कदम जिसने उनके करियर के अगले दो दशकों को आकार दिया।

अपने शानदार 18 साल के प्रथम श्रेणी करियर में, मन्हास ने दिल्ली और बाद में जम्मू–कश्मीर का प्रतिनिधित्व किया और 157 मैचों में लगभग 45 की प्रभावशाली औसत से 9,714 रन बनाए, जिसमें 27 शतक और 49 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने दिल्ली के सबसे सफल दौर में कप्तानी की और लंबे सूखे के बाद 2007–08 में टीम को रणजी ट्रॉफी में जीत दिलाई। मैदान के अंदर और बाहर उनके नेतृत्व ने उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद और अनुशासित घरेलू क्रिकेटरों में से एक होने की प्रतिष्ठा दिलाई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में, मन्हास ने दिल्ली डेयरडेविल्स, पुणे वॉरियर्स इंडिया और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी शीर्ष टीमों का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने एमएस धोनी, राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया। हालाँकि उन्होंने भारत के लिए कभी कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला, लेकिन घरेलू और आईपीएल में उनके योगदान ने उन्हें खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच अपार सम्मान दिलाया। सक्रिय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, मिथुन मन्हास ने कोचिंग और प्रशासन में सहजता से कदम रखा। उन्होंने रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर, किंग्स इलेवन पंजाब और गुजरात टाइटन्स सहित कई आईपीएल फ्रैंचाइज़ियों के लिए सहायक कोच और बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में काम किया, और बांग्लादेश अंडर–19 टीम के साथ एक मेंटर के रूप में भी काम किया। उनके शांत स्वभाव, तकनीकी विशेषज्ञता और खेल की समझ ने उन्हें क्रिकेट जगत में एक जाना–माना नाम बना दिया। बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति खेल के प्रति वर्षों की सेवा का प्रतीक है – जमीनी स्तर के क्रिकेट से लेकर उच्चस्तरीय प्रशासन तक। अब मन्हास से बोर्ड के कामकाज में एक नया और आधुनिक दृष्टिकोण लाने की उम्मीद है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने, दूरदराज के इलाकों तक क्रिकेट की पहुँच बढ़ाने और भारतीय क्रिकेट प्रशासन में एक पारदर्शी और समावेशी ढाँचा सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगा।

विरासत के संरक्षण और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत सांस्कृतिक और शैक्षणिक संगठन, भालेसा हेरिटेज सेंटर ने इस नियुक्ति को जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए षबेहद गर्व का क्षणष बताया। भालेसा हेरिटेज सेंटर के अध्यक्ष सदाकेत मलिक ने मन्हास को बधाई देते हुए कहारू षभालेसा की घाटियों से निकलकर बीसीसीआई के अध्यक्ष पद तक मिथुन मन्हास का उत्थान जम्मू–कश्मीर के हर युवा के लिए प्रेरणा है। उनकी यात्रा दर्शाती है कि प्रतिभा, कड़ी मेहनत और ईमानदारी के साथ मिलकर, हर बाधा को पार कर सकती है। वह उस लचीलेपन की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमारे लोगों की पहचान है।ष

उन्होंने आगे कहारू षयह भालेसा और पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उनका नेतृत्व भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगा और दूर–दराज के इलाकों के युवाओं को बड़े सपने देखने और नई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रोत्साहित करेगा।ष भालेसा की संकरी गलियों में, जहाँ अक्सर ऊबड़–खाबड़ ज़मीन और पथरीली ज़मीन पर क्रिकेट खेला जाता है, मिथुन मन्हास की सफलता की कहानी ने उम्मीद की किरण जगाई है। गाँव के बुज़ुर्ग, जो उनके बचपन की यात्राओं को याद करते हैं, से लेकर उन छोटे बच्चों तक, जो अब उन्हें अपना आदर्श मानते हैं, सभी की भावनाएँ एक जैसी हैं – गर्व और नई आकांक्षाओं की।

जम्मू–कश्मीर के लिए, जो चुनौतियों के बावजूद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जन्म देता रहा है, मन्हास का सर्वोच्च क्रिकेट पद पर पहुँचना एक प्रेरणा का स्रोत है। उनकी उपलब्धि इस बात का प्रतीक है कि भौगोलिक सीमाएँ महत्वाकांक्षाओं को सीमित नहीं कर सकतीं, और जुनून, अनुशासन और कड़ी मेहनत सबसे मामूली शुरुआत को भी राष्ट्रीय सफलता में बदल सकती है। उनके पैतृक क्षेत्र में जश्न जारी है, और एक संदेश ज़ोरदार और स्पष्ट रूप से गूंज रहा हैरू भलेसा ने भारत को एक नेता दिया है – न केवल क्रिकेट में, बल्कि प्रेरणा में भी।

प्रधानमंत्री कब आओगे? राहत पैकेज के इंतजार में जम्मू-कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर को आपदा–राहत पैकेज जारी करने में देरी को लेकर प्रभावितों में आक्रोश बढ़ता जा रहा हैघ्, जनता प्रधानमंत्रीजी से चुनावी राज्यों के दौरों से थोडा समय निकाल बाढ प्रभावितों की सुध लेने व राहत पैकेज जारी करने की गुहार लगा रही है , यह कहना है ,शिवसेना (यूबीटी) जम्मू–कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक कार्यक्रम में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने पत्रकारों से विशेष बातचीत पर केंद्र की मोदी सरकार पर केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर को भुला देने का आरोप लगाया है। साहनी ने कहा कि चुनावी राज्यों में हजारों करोड़ की बरसात की जा रही है। आपदा से प्रभावित पंजाब, हिमाचल आदि राज्यों के लिए राहत पैकेज घोषित हो चुके है। जबकि आपदा में सबसे अधिक प्रभावित जम्मू कश्मीर के लिए एक महीना से अधिक का समय बीतने के बावजूद किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की जा रही है। साहनी ने कहा कि आपदा से सबसे अधिक नुकसान भाजपा को समर्थन देने वाले जम्मू संभाग को पहुचा है। 2014, 2024 के विधानसभा और पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जम्मू संभाग की जनता ने भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। साहनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुनावी राज्य बिहार से थोड़ा ध्यान हटा जम्मू–कश्मीर का दौरा करने व तत्काल राहत पैकेज जारी करने की मांग की है। इस अवसर पर संजीव को. हली (कार्यकारी अध्यक्ष), राजू कपूर (सह–चेयरमैन), जसबीर सिंह (सचिव), संजीव कुमार, राकेश बहुत, नरेश, राज सिंह समेत कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने उदयवाला में विशेष सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत उदयवाला, जम्मू में एक विशेष कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और बिश्नाह के डीडीसी, श्री धर्मेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रख्यात राष्ट्रवादी और एकात्म मानववाद के प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा पखवाड़े की मानव सेवा और सामाजिक उत्थान की भावना को मूर्त रूप देते हुए दिव्यांग बच्चों को फल वितरित किए। विशिष्ट अतिथियों में डीडीसी अध्यक्ष और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भारत भूषण बोधि और जम्मू उत्तर के विधायक श्री श्याम लाल शर्मा शामिल थे।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सेवा पखवाड़े में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों को लागू करने और समाज के सबसे वंचित वर्ग तक पहुँचने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में भाजपा जम्मू उत्तर जिला प्रभारी श्री अयोध्या गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री पंकज पाधा, और कई डीडीसी सदस्य एवं पार्टी पदाधिकारी शामिल थे। गणमान्य व्यक्तियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके दर्शन के प्रचार–प्रसार का संकल्प लिया। वक्ताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सेवा ही भाजपा का संगठनात्मक आधार है और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद दर्शन को भारतीय समाज के मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में रेखांकित किया।

कठुआ में सेवा पर्व के तहत पोषण विभाग ने जन जागरूकता अभियान से हजारों लाभार्थियों तक पहुँचाया संदेश

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, पोषण विभाग (आईसीडीएस) कठुआ ने जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश लखन की देखरेख में 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक सेवा पर्व के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। पखवाड़े भर चले इस अभियान में आहार विविधता, विकास निगरानी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं सहित बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं पोषण संबंधी गतिविधियाँ की गईं ताकि मिशन पोषण का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँच सके। इस अवसर पर पोषण वाटिकाओं के अंतर्गत पौधारोपण, रेसिपी प्रदर्शन एवं खाद्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पारंपरिक और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहित कर संतुलित आहार की महत्ता बताई गई।

अभियान में समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। रैलियों, बैठकों और पोषण संकल्प जैसी गति. विधियों ने जन आंदोलन की भावना को और सशक्त किया। गांधी जयंती (2 अक्तूबर) पर सेवा पर्व का समापन योग सत्रों, पोषण जागरूकता कार्यक्रमों और लाभार्थियों के साथ संवाद के साथ हुआ। इन गति. विधियों ने सेवा, पोषण और स्वच्छता के मूल्यों को रेखांकित करते हुए महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

इस अभियान ने कठुआ जिले के हजारों लाभार्थियों तक पहुँच कर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

जम्मू-कश्मीर की 18 वर्षीय शीतल देवी ने रचा इतिहास, बनीं विश्व चौंपियन

सबका जम्मू कश्मीर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) : 18 वर्षीय भारतीय शीतल देवी ने कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में विश्व चौंपियनशिप का स्वर्ण जीतने वाली पहली महिला बिना हाथ वाली तीरंदाज बनकर इतिहास रच दिया और तोमन कुमार ने इसी पुरुष स्पर्धा में खिताबी जीत की पुनरावृत्ति की, क्योंकि भारत ने शनिवार को यहां पैरा विश्व तीरंदा. जी चौंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा।

जिस दिन भारत ने दो विश्व चौंपियन और कुल पांच पदक दिए, उस दिन शीतल ने इतिहास की किताब में एक नया पृष्ठ जोड़ा, जब उन्होंने तुर्किये की दुनिया की नंबर 1 ओज़नूर क्यूर गिरडी को 146–143 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

जम्मू और कश्मीर की तीरंदाज, टूर्नामेंट में बिना हाथों वाली एकमात्र प्रतियोगी, अपने पैरों और ठुड्डी का उपयोग करके निशाना लगाती है।

वास्तव में, बिना हाथों वाले तीरंदाज का स्वर्ण जीतने का एकमात्र पिछला क्षण 2022 में वापस आया था जब यूएसए के मैट स्टुट्ज़मैन दुबई विश्व चौंपियनशिप के दौरान पोडियम के शीर्ष पर खड़े थे।

शीतल ने इससे पहले कंपाउंड स्पर्धा में तोमन कुमार के साथ मिलकर ग्रेट ब्रिटेन की जोडी ग्रिनहैम और नाथन मैकक्वीन को 152–149 से हराकर मिश्रित टीम का कांस्य पदक जीता था।

कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा के फाइनल में तुर्की से हारने के बाद शीतल और सरिता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

बाद में, तोमन ने कंपाउंड पुरुष का खिताब जीता, जब एक अन्य भारतीय राकेश कुमार को तकनीकी खराबी के कारण अखिल भारतीय फाइनल में 40–20 से हारकर हटना पड़ा। पेरिस पैरालिंपिक के कांस्य पदक विजेता राकेश को अपने धनुष में पुली की समस्या के कारण चार शॉट के बाद हटना पड़ा, जिससे विश्व चौंपियनशिप में पदार्पण कर रहे तोमन ने चार सटीक तीरों के साथ खिताब अपने नाम किया। महिलाओं का व्यक्तिगत फाइनल एक तनावपूर्ण मुकाबला था, लेकिन शीतल लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रहीं और उन्होंने संयम से निशाना साधा।

पहला राउंड 29–29 से बराबरी पर था शीतल की एकमात्र चूक चौथे राउंड में हुई, जहाँ उन्होंने 28 अंक बनाए और गिरदी ने एक अंक से बढ़त बना ली, फिर भी भारतीय तीरंदाज़ ने 116–114 के स्कोर पर दो अंकों की बढ़त बनाए रखी।

इसके बाद उन्होंने तीन परफेक्ट तीरों के साथ 30 अंक हासिल करते हुए एक त्रुटिहीन अंतिम राउंड के साथ अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का किया।

यह खिताबी मुकाबला 2023 पिलसेन विश्व चौंपियनशिप का दो. हराव था, जहाँ गिरदी ने शीतल को 140–138 से हराया था।

विशेषाधिकार समिति ने विधायकों के विशेषाधिकारों और प्रोटोकॉल पर चर्चा की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने आज विधायकों के संवैधानिक विशेषाधिकारों और अधिकारों से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श करने के लिए श्रीनगर स्थित विधानसभा परिसर में एक बैठक बुलाई।

बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष निजामुद्दीन भट ने की और इसमें सदस्य रियाज अहमद खान, सलमान ने भाग लिया सागर , जावेद रियाज़ (बेदार), जावेद इकबाल , और भारत भूषण . इस अवसर पर आयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन एम राजू , सचिव आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल भूपिंदर कुमार, सचिव विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य अचल भी उपस्थित थे। सेठी , तथा विधान सभा सचिव मनोज कुमार पंडिता । समिति ने विधायकों के लिए उचित प्रोटोकॉल और विशेषाधिकार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा विधानमंडल के सुचारू संचालन के लिए अधिक सहयोग का निर्देश दिया।

आरंभ में, अध्यक्ष ने विधायकों द्वारा सभी उपयुक्त मंचों पर अपने संवैधानिक अधिकारों और विशेषाधिकारों का प्रयोग करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संस्था की अखंडता को बनाए रखने के लिए सदस्यों की सामूहिक प्रतिबद्धता पर विश्वास व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि समिति जन कल्याण के व्यापक हित में अपने अधिदेश के अनुरूप कार्य करती रहेगी।

पर्यटन स्थलों को फिर से खोलना जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के पुनरूद्धार के लिए आशा की किरण: रमन सूरी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकारिणी सदस्य रमन सूरी ने उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद बंद किए गए कई पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस कदम ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों में नई आशा का संचार किया है और यह इस महत्वपूर्ण क्षेत्र से जुड़ी आजीविका को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रमन सूरी ने कहा कि प्रशासन ने बिजब. `हरा, अनंतनाग, बारामूला, रामबन, कठुआ और रियासी जिलों में पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का सही निर्णय लिया है जो देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करने वाले सबसे लोकप्रिय और दर्शनीय स्थलों में से हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हालाँकि अभी तक केवल 12 स्थल ही खोले गए हैं लेकिन इस कदम से आशावाद पैदा हुआ है कि जल्द ही कई और पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए सुलभ होंगे।

उन्होंने कहा कि ये स्थान न केवल प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं बल्कि सांस्कृतिक और विरासत का भी अपार महत्व रखते हैं। वर्षों से ये पर्यटकों के यात्रा कार्यक्रम का हिस्सा रहे हैं और इनके बंद होने से जम्मू-कश्मीर आने वालों के समग्र अनुभव में एक बड़ा अंतर आ गया है। भाजपा नेता ने याद दिलाया कि जब सुरक्षा कारणों से इन स्थलों को बंद किया गया तो इससे न केवल पर्यटन क्षेत्र पर बल्कि होटल व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों, टट्टू वालों, दुकानदारों, गाइडों और कारीगरों की आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जो पर्यटकों की आमद पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

अन्य राज्यों और विदेशों से पर्यटकों को आमंत्रित करके और आकर्षक यात्रा पैकेजों की घोषणा करके जम्मू-कश्मीर पर्यटन को बढ़ावा देने के सरकार के गहन प्रयासों के बावजूद उद्योग संघर्ष करता रहा क्योंकि कई प्रमुख आकर्षण अभी भी पहुँच से बाहर हैं।

रमन सूरी ने कहा कि प्रशासन का यह कदम जम्मू-कश्मीर पर्यटन क्षेत्र को उसके पूर्ण वैभव पर बहाल करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा सर्वोपरि है और यद्यपि मानव जीवन के साथ कभी समझौता नहीं किया जा सकता इन स्थलों को फिर से खोलने से पहले सरकार का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन सुरक्षा चिंताओं और आर्थिक पुनरुद्धार के बीच एक ज़िम्मेदार संतुलन को दर्शाता है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

नगरी में धूमधाम से मनाया गया दशहरा, रावण दहन से दिया बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ/नगरी, शुक्रवार को देशभर में दशहरा पर्व बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में जिला कठुआ के विभिन्न क्षेत्रों में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कस्बा नगरी के दशहरा ग्राउंड में श्री राम नाटक सभा की टीम और विभिन्न वार्डों के राम नाटक क्लबों के सदस्यों ने रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि तहसीलदार नगरी अन्य जमवाल रही। परंपरा अनुसार भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान ने बाण चलाकर पुतलों को अग्नि के हवाले किया। तहसीलदार ने अपने संबोधन में कहा कि दशहरा यह संदेश देता है कि समाज में नियम और अनुशासन के साथ जीवन जीकर ही बुराइयों को खत्म किया जा सकता है। अच्छाई को बढ़ावा देना और समाज को बेहतर बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

श्री राम नाटक सभा के प्रधान राकेश शर्मा उर्फ गोलू ने कहा कि नौ दिनों तक चले रामायण मंचन का उद्देश्य युवाओं को भगवान राम के आदर्शों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब युवा नशे और विवादों में उलझ रहे हैं, उन्हें भगवान राम के जीवन से यह सीख लेनी चाहिए कि परिवार और समाज को साथ लेकर चलने में ही सच्ची जीत है।

इस अवसर पर श्री राम नाटक सभा नगरी के चेयरमैन राजिंदर शर्मा, डायरेक्टर गणेश दत्त, जनरल सेक्रेटरी अनीश बाली, कैशियर अनिल पुरी उर्फ संजू, स्टेज एंकर दलजीत सिंह अत्रि, वर्किंग कमेटी प्रधान सुधांशु मेहता उर्फ नन्नु, दर्शन भगत, अजयवीर मेहता उर्फ मुन्ना, साउंड डायरेक्टर अश्विनी कुमार उर्फ लाड्डी, लाइट डायरेक्टर तिलक राज उर्फ बिल्लू, असिस्टेंट साउंड डायरेक्टर सिकंदर पाल, संजीव अंदोत्रा, हास्य कलाकार अशोक वर्मा, सत पॉल ललोत्रा, स्टोर कीपर राम बहादुर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लद्दाख में सामान्य स्थिति बहाल होने तक कोई बातचीत नहीं : लेह शीर्ष निकाय

सबका जम्मू कश्मीर

लेह : पिछले सप्ताह सुरक्षा बलों के साथ झड़पों के दौरान चार प्रदर्शनकारियों की हत्या के बाद अपना रुख सख्त करते हुए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने सोमवार को घोषणा की कि वह लद्दाख में सामान्य स्थिति बहाल होने और अनुकूल माहौल बनने तक गृह मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति के साथ बातचीत से दूर रहेगी।

एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग ने हिंसा के चौथे पीड़ित – एक पूर्व सैन्य सैनिक – का कर्फ्यूग्रस्त लेह में कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के तुरंत बाद यह घोषणा की।

पिछले बुधवार को लगाए गए कर्फ्यू में शाम 4 बजे पूरे शहर में दो घंटे की ढील दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

दो बार सांसद रह चुके छेवांग ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है कि लद्दाख में जो स्थिति है, उसे ध्यान में रखते हुए, जब तक शांति बहाल नहीं होती और अनुकूल माहौल नहीं बनता, हम किसी भी वार्ता में भाग नहीं लेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम गृह मंत्रालय, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, शोक और गुस्से के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं।''

राज्य का दर्जा और लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एलएबी द्वारा आहूत बंद के दौरान 24 सितंबर को व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़पों में चार लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए, जबकि दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में 50 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया।

आंदोलन का मुख्य चेहरा, कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को भी कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया।

लगभग चार महीने तक रुकी रही बातचीत के बाद, केंद्र ने 20 सितंबर को एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) को बातचीत के लिए आमंत्रित किया था, जो केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। बातचीत 6 अक्टूबर को होनी थी।

जीएमएचएसएस डोमाना के छात्र-छात्राओं ने सेवा पर्व के तहत अम्फाला वृद्धाश्रम का किया भ्रमण

सबका जम्मू कश्मीर

सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल डोमाना के छात्र–छात्राओं ने अम्फाला स्थित वृद्धाश्रम का दौरा किया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएँ आरती शर्मा राखी शर्मा और डॉ अलका शर्मा भी छात्रों के साथ मौजूद रहीं। यह भ्रमण छात्रों में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सहानुभूति सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए आयोजित किया गया था।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की उनके जीवन अनुभव सुने और उनके साथ आनंद और गर्मजोशी के पल साझा किए। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए कविताएँ सुनाईं और बुजुर्गों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें खुशियाँ दीं। साथ ही छात्रों ने फलों और आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी किया।

जीएमएचएसएस डोमाना के प्रिंसिपल मोहिंदर कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल वृद्धजनों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं बल्कि पीढ़ियों के बीच स्नेह और संबंधों को मजबूत करते हैं। शिक्षकों ने भी जोर दिया कि आज की युवा पीढ़ी को बुजुर्गों का सम्मान करना उन्हें स्नेह देना और सहयोग करना सीखना चाहिए क्योंकि वे अनुभव और ज्ञान के स्तंभ हैं।

मस्जिदें नमाज के लिए हैं, हिंसा के लिए नहीं... बवाल पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की मुसलमानों को दो टूक

नई दिल्ली

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' के अभियान में हुए विवाद और पुलिस कार्रवाई पर सूबे में सियासत तेज हो गई है. जहां कई संगठनों और अधिकार समूहों ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे मुस्लिम समुदाय को डराने और विरोध प्रदर्शनों को दबाने का प्रयास बताया है, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शनिवार को कहा कि मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं.

सहारनपुर में पत्रकारों से बात करते हुए, मसूद ने मुसलमानों से अपील की कि वे मोहम्मद के सिद्धांतों का पालन करके उनके प्रति प्रेम दिखाएं, न कि सड़कों पर हंगामा करके. मसूद का ये बयान मौलाना तौकीर रजा की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने लोगों को 'आई लव मोहम्मद' के खिलाफ देशभर में हो रही कार्रवाई के विरोध में डीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपने के लिए शहर के इस्लामिया ग्राउंड बुलाया था. इस्लामिया ग्राउंड जा रहे लोगों को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया, जिसके बाद ये प्रदर्शन हिंसक हो गए थे.

मस्जिदें नमाज के लिए, हिंसा के लिए नहीं– इमरान मसूद शुक्रवार को जुमे के नमाज के बाद इस्लामिया ग्राउंड के लिए निकली भीड़ पर बोलते हुए इमरान मसूद ने कहा, "मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं. हर मुसलमान मोहम्मद से प्रेम करता है और इसे व्यक्त करने के लिए हंगामा करने की कोई ज़रूरत नहीं है."

सांसद ने कहा, "मैं मोहम्मद से प्रेम करता हूं. मोहम्मद मेरे जीवन का उद्देश्य हैं. सच्चा प्रेम उनके सिद्धांतों और आदर्शों का पालन करने में है, न कि सड़कों पर हंगामा करने में."

क्यों शुरू हुआ 'आई लव मोहम्मद' अभियान? एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स के मुताबिक उत्तर प्रदेश के कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' लिखे बैनरों को लेकर शुरू हुई पुलिस कार्रवाई अब देशव्यापी कार्रवाई में बदल गई है.

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

"पत्रकारों की आवश्यकता"

'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र

के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें

योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव

अपना बायोडाटा ई.मेल करें

sabkajammukashmir@gmail.com

संपर्क नंबर : 6005134383

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

प्रधानमंत्री कब आओगे? राहत पैकेज के इंतजार में जम्मू-कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर को आपदा–राहत पैकेज जारी करने में देरी को लेकर प्रभावितों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, जनता प्रधानमंत्रीजी से चुनावी राज्यों के दौरों से थोडा समय निकाल बाढ प्रभावितों की सुध लेने व राहत पैकेज जारी करने की गुहार लगा रही है, यह कहना है ,शिवसेना (यूबीटी) जम्मू–कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक कार्यक्रम में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने पत्रकारों से विशेष बातचीत पर केंद्र की मोदी सरकार पर केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर को भुला देने का आरोप लगाया है। साहनी ने कहा कि चुनावी राज्यों में हजारों करोड़ की बरसात की जा रही है। आपदा से प्रभावित पंजाब, हिमाचल आदि

राज्यों के लिए राहत पैकेज घोषित हो चुके है। जबकि आपदा में सबसे अधिक प्रभावित जम्मू कश्मीर के लिए एक महीना से अधिक का समय बीतने के बावजूद किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की जा रही है। साहनी ने कहा कि आपदा से सबसे अधिक नुकसान भाजपा को समर्थन देने वाले जम्मू संभाग को पहुचा है।

2014, 2024 के विधानसभा और पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जम्मू संभाग की जनता ने भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। साहनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुनावी राज्य बिहार से थोड़ा ध्यान हटा जम्मू–कश्मीर का दौरा करने व तत्काल राहत पैकेज जारी करने की मांग की है। इस अवसर पर संजीव कोहली (कार्यकारी अध्यक्ष), राजू कपूर (सह–चेयरमैन), जसबीर सिंह (सचिव), संजीव कुमार, राक. ेश बहुत, नरेश, राज सिंह समेत कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं शिवसेना (यूबीटी) जम्मू–कश्मीर ईकाई के नेताओं ने आज शहीद–ए–आज़म भगत सिंह की 118 वी जयंती पर, उनहे शत–शत नमन व भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश अधयक्ष मनीश साहनी समेत उपस्थित तमाम नेताओं ने महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह के बलिदान, साहस और उनके ओजस्वी विचारों को याद किया गया । साहनी ने शहीद भगत सिंह के देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाने के संघर्षों को साझा किया। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से शहीद भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों को अपने जीवन में उतारने और उनके बताए रास्ते पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उनहोंने कहा कि शहीद– ए–आज़म भगत सिंह ने युवावस्था में ही देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया था।

भारतीय सेना ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता व्याख्यान का किया आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी। भारतीय सेना ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समोट में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य युवा लड़के और लड़कियों को बालिकाओं की सुरक्षा और शिक्षा, लैंगिक समानता सुनिश्चित करने और शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

इस कार्यक्रम ने छात्रों को एक प्रगतिशील समाज के निर्माण में अपनी ज़िम्मेदारी समझने के लिए प्रोत्साहित किया जहाँ महिलाओं को जीवन के हर क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त हों। व्याख्यान में ग्रामीण और दूरद. राज के क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों जिनमें असमानता, अवसरों की कमी और भेदभाव शामिल हैं पर प्रकाश डाला गया। इस बात पर ज़ोर दिया गया कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त माध्यम है और पुरानी और अनुचित प्रथाओं को समाप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

छात्रों को महिलाओं का सम्मान करने, समान अधिकारों का समर्थन करने और एक ऐसे समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया जहाँ लड़के और लड़कियाँ एक साथ प्रगति करें। सच्ची समानता प्राप्त करने के लिए सामुदायिक मानसिकता बदलने पर विशेष ज़ोर दिया गया साथ ही राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व और परिवार कल्याण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी ज़ोर दिया गया। व्याख्यान में महिला सश. क्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, बालिका–बालक अनुपात को संतुलित करने के महत्व और जागरूकता फैलाने में युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की गई। छात्रों ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

सेवा पखवाड़े के तहत उद्यम युवा उत्सव का समापन सरकारी अस्पताल में हुआ। पॉलिटेक्निक कॉलेज कुपवाड़ा

सबका जम्मू कश्मीर

कुपवाड़ा : सेवा पखवाड़ा के तहत 26 से 27 सितंबर, 2025 तक जिला रोजगार कार्यालय कुपवाड़ा के सहयोग से सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज कुपवाड़ा द्वारा आयोजित दो दिवसीय उद्यम युवा उत्सव आज संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में छात्रों की ओर से जबरदस्त उत्साह और सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसे राजकीय पॉलिटेक्निक कुपवाड़ा के संकाय और जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र कुपवाड़ा के अधिकारियों/कर्मचारियों का समर्थन प्राप्त हुआ।

26 सितंबर को, चित्रकला, निबंध लेखन, भाषण और प्रश्नोत्तरी जैसी चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिससे छात्रों को अपनी रचनात्मकता, ज्ञान, आलोचनात्मक सोच और संचार कौशल प्रदर्शित करने का एक जीवंत मंच मिला। संबंधित मूल्यांकन समितियों ने उसी दिन छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

आज सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहाँ प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार और भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार अधीक्षक आईटीआई कुपवाड़ा, सहायक श्रम आयुक्त/एडी रोजगार कुपवाड़ा और राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कुपवाड़ा के प्रधानाचार्य द्वारा वित. रित किए गए।

उत्सव के दूसरे दिन जागरूकता और मार्गदर्शन सत्र भी आयोजित किए गए। उद्यमिता जागरूकता सत्र के बाद अरशद कादिर ने श्रम विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोज़गार के अवसरों और छात्रवृत्तियों पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

रोजगार विभाग के करियर परामर्श अधिकारी ने छात्रों को क्षेत्र–विशिष्ट करियर पथों के बारे में जानकारी दी और व्यक्तिगत परामर्श प्रदान किया। रोजगार विभाग कुपवाड़ा के अधिकारी ने मिशन युवा कार्यक्रमों और अन्य रोजगार–संबंधी पहलों पर भी प्रकाश डाला।

छात्रों को रिज्यूम निर्माण, स्टार्ट–अप विचार और कैरियर की तैयारी पर व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए एक रिज्यूम और स्टार्ट–अप क्लिनिक का भी आयोजन किया गया।

उद्यम युवा उत्सव का समापन अत्यंत सकारात्मक ढंग से हुआ, जिसमें सेवा पखवाड़ा के दृष्टिकोण के अनुरूप कौशल विकास, उद्यमिता और सूचित कैरियर नियोजन के महत्व पर बल दिया गया।

नवरात्रों में की गई माँ वैष्णो की पूजा अति उत्तमः अनिल कत्याल

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा । नवरात्रों में जगतजननी माँ वैष्णो की पूजा करना अति शुभ माना गया है, जिस घर में माँ की ज्योति का प्रकाश होता है उस घर में माँ वैष्णो का वास होता है, उपरोक्त बातें प्रसिद्ध इंटरनेशनल भजन लेखक अनिल कत्याल नीले ने कही। उन्होंने कहा जो भक्त जन, जय माता दी, बोलकर, माँ भगवती जी को लाल रंग की चुन्नी ओढ़ाकर, माँ भगवती जी के चरणों में लाल गुलाब के पुष्प अर्पित करते हैं माँ जगदंबे उन भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती है। नवरात्रों में श्रद्धा भाव से की गई पूजा कभी भी खाली नहीं जाती। विशेष वार्ता में अनिल ने बताया अष्टमी के दिन माँ भगवती कन्या रूप में भक्तों के घर जाकर सुख शांति समृद्धि प्रदान करती है। बता दे अब तक 12000 भेंटे लिख चुके, अनिल कटायल नीले, पिछले दो वर्षों से रोज तीन से चार भेंटे लिखते हैं। इनके द्वारा लिखी वैष्णो आराधना नाम से अब तक 8 पुस्तक आ चुकी है जो भक्तों को निःशुल्क वितरित की जाती है।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज्	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

जम्मू वेस्ट में विधायक अरविंद गुप्ता ने 90 लाख की लागत से बने ट्यूबवेल प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने राजपुरा स्थित कामधेनु फ्लैट्स के पास नवनिर्मित ट्यूबवेल प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस लंबे समय से लंबित परियोजना से अब राजपुरा और शक्ति नगर क्षेत्र के हजारों परिवारों को नियमित व पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

करीब 90 लाख रुपये की लागत से तैयार इस ट्यूबवेल की क्षमता 15000 गैलन प्रति घंटा है जो अगले 15 से 20 वर्षों तक क्षेत्र की जल आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

इस अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा यह ट्यूबवेल केवल एक परियोजना नहीं बल्कि जम्मू वेस्ट की जनता से किया गया वादा पूरा होने का प्रतीक है। स्वच्छ जल उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है और यह कदम लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगा। हमारा फोकस सतत विकास और हर घर तक भरोसेमंद जलापूर्ति सुनिश्चित करना है।

उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे जिनमें एक्सईएन पीएचई तजिंदर सिंह एईई ग्राउंड वाटर मोहिंदर सिंह मनहास एईई सिविल पीएचई पंकज मोहन शर्मा एई शुभम और जेई ग्राउंड वाटर शामिल थे। इसके अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं व स्थानीय नेताआ. ें में मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति बावा शर्मा अतुल बक्शी सोनू मनहास मोहित वैद करण शर्मा और रेखा शर्मा भी मौजूद रहे।

विधायक ने परियोजना के दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाएगी।

उन्होंने जेएमसी आयुक्त डॉ देवांश यादव की सक्रिय कार्यशैली और जवाबदेही को सराहते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से समय पर नागरिक परियोजनाएं पूरी हो रही हैं।

उन्होंने आगे कहा ऐसी परियोजनाएं जल सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं समाज के कल्याण को मज़बूत करती हैं और हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं कि हम जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान चाहते हैं। यह जम्मू वेस्ट को आधुनिक विकसित और नागरिक हितैषी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

स्थानीय निवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस परियोजना की समयबद्ध पूर्णता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र में पानी की किल्लत दूर करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

कश्मीर पुलिस प्रमुख ने उभरते खतरों से निपटने के लिए सक्रिय खुफिया जानकारी जुटाने पर जोर दिया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : कश्मीर पुलिस प्रमुख वी.के. बिरदी ने सोमवार को घाटी में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की और उभरते खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सक्रिय खुफिया जानकारी जुटाने और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र का आह्वान किया।

एक प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बिरदी ने यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने बताया कि बैठक की शुरुआत में रेंज के पुलिस उपमहा. निरीक्षकों (डीआईएसजी) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) ने अध्यक्ष को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में समग्र अपराध और सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कानून एवं व्यवस्था प्रबंधन, चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और सार्वजनिक सुरक्षा उपायों पर विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई।

प्रवक्ता ने बताया कि विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई, शून्य आतंकवादी भर्ती का लक्ष्य हासिल करना, जिला स्तरीय सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना, आतंकवादी तत्वों के खिलाफ संपत्ति कुर्की की कार्यवाही और अन्य रणनीतिक चिंताएं शामिल थीं।

बैठक के दौरान, अधिकारी ने गलत सूचना, दुष्प्रचार और राष्ट्र-विरोधी सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया।

नशीले पदार्थों के मुद्दे पर बोलते हुए, बर्डी ने अधिकारियों को नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान तेज करने, अपराधियों पर निगरानी बढ़ाने और नशीली दवाओं के नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने का निर्देश दिया।

आईजीपी ने व्यापक मादक पदार्थ विरोधी रणनीति के भाग के रूप में सामुदायिक पहुंच और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया।

प्रवक्ता ने बताया कि जिलावार सुरक्षा योजना पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें प्रमुख प्रतिष्ठानों, संवेदनशील क्षेत्रों और अंतर-एजेंसी समन्वय पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने कहा कि आईजीपी ने उभरते खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सक्रिय खुफिया जानकारी जुटाने और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

बिरदी ने अधिकारियों को क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों में रात्रि गश्त करने तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों से सतर्क, उत्तरदायी और जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का भी आग्रह किया।

जीडीसी विजयपुर ने स्वरोजगार और एआई पर कार्यशाला का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, विजयपुर के करियर काउंसलिंग सेल ने ष्सेवा पर्वष् के अंतर्गत चल रहे समारोहों के एक भाग के रूप में, युवा मिशन, उन्नत भारत और शिक्षित भारत जैसे विभिन्न क्लबों के सहयोग से ष्स्वरोज़गार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसष् पर एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को उभरते स्वरोज़गार के अवसरों और विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिवर्तनकारी भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रियंका शर्मा, निदेशक, आजीवन शिक्षा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, और डॉ. रीवा खजूरिया, परामर्शदाता, आजीवन शिक्षा विभाग, जम्मू विश्व. विद्यालय उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने 21वीं सदी में युवाओं के बीच कौशल-आधारित शिक्षा और आत्मनिर्भरता की बढ़ती प्रासंगिकता पर अपने विशेषज्ञ दृष्टिकोण साझा किए।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता जम्मू विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरलीन कौर और जम्मू विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मालविका अशोक थीं। डॉ. हरलीन कौर ने वाणिज्य में उद्यमशीलता के अवसरों के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे स्व-नियोजित पेशेवर स्टार्टअप, लघु व्यवसाय, व्यापार, विनिर्माण, डॉक्टर, ऑडिटर, पत्रकार जैसी पेशेवर सेवाओं और फैशन डिजाइनिंग, स्वास्थ्य बीमा, शादी की फोटोग्राफी और आंत. रिक सजावट जैसी व्यक्तिगत सेवाओं जैसे विविध डोमेन में काम कर सकते हैं।

डॉ. मालविका अशोक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल सिद्धांतों, इसके वास्तविक अनुप्रयोगों और छात्रों द्वारा अपने करियर की संभावनाओं और उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए एआई टूल्स की खोज कैसे शुरू की जा सकती है, इस पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका शिक्षा को अधिक कुशल बनाना, आकर्षक सामग्री तैयार करना और प्रत्येक छात्र की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है।

कार्यशाला का संचालन शिक्षा विभाग की व्याख्याता डॉ. गुंजीत महिवाल ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम को सुचारू रूप से समन्वित और रोचक बनाए रखा। कार्यक्रम की शुरुआत करियर काउंसलिंग सेल की संयोजक प्रो. ममता गुप्ता के औपचारिक स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने शैक्षणिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के लिए ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला।

पुंछ में भव्य जागरण आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ। बीत रात्रि भगवती जागरण मंडली पुंछ द्वारा श्री वाल्मीकि मंदिर, वार्ड नंबर 17, पुरानी पुंछ में माता रानी का भव्य जागरण आयोजित किया गया। इस जागरण का आयोजन श्री सुशील कुमार के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंडली के प्रधान मनोज कुमार ने गणेश वंदना से की। उपप्रधान पंडित कौशल रैना ने भी गणेश वंदना प्रस्तुत कर भक्तों का मन मोह लिया। इसके पश्चात माता के भजनों की मधुर प्रस्तुति से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

मंडली के सचिव सनी कपाही ने काली माता की डोगरी में कारक प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। अन्य सदस्यों ने भी अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से जागरण को भक्ति रस से सराबोर किया। रणजीत सिंह 'राही' ने मॉं के भजन पर मधुर आवाज से लोगों को मंत्रमुग्ध किया और शंकर ने ढोलक पर अपनी मीठी धुनों से वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सुरजीत चौधरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख भारत तिब्बत सहयोग मंच का युवा अध्यक्ष मनोनीत किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारत तिब्बत सहयोग मंच (बीटीएसएम) युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अर्पित मुदगल ने युवा विभाग में नई नियुक्तियाँ करके अपने संगठनात्मक ढाँचे को और मज़बूत किया है। मंच के संरक्षक, वरिष्ठ आरएसएस प्रचारक, आदरणीय डॉ. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री पंकज गोयल और क्षेत्रीय समन्वयकों की सहमति से, साथ ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के अध्यक्ष श्री विवेक शर्मा, श्री सुरजीत चौधरी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की युवा विंग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चौधरी जम्मू विश्वविद्यालय में एक सक्रिय छात्र नेता हैं और सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में व्यापक अनुभव रखते हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक और जम्मू के आरएस पुरा के सरपंच भी हैं। बीटीएसएम को विश्वास है कि अपने अनुभव, अध्ययन और संगठनात्मक कौशल के साथ, श्री सुरजीत चौधरी जम्मू और कश्मीर, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को तिब्बत मुक्ति आंदोलन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। डॉ. विवेक शर्मा ने श्री सुरजीत चौधरी को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि वे पार्टी को मज़बूत करने में एक बहुमूल्य योगदान देंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि चीन निर्दयता से काम करता है और अन्य देशों के हितों की अपेक्षा अपने हितों को प्राथमिकता देता है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने डिंगा अंब में सुनी लोगों की समस्याएं

सनी शर्मा

डिंगा अंब (हीरानगर) : जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने आज डिंगा अंब में स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना। इस मौके पर आयोजित बैठक में एसडीएम फुलैल सिंह, एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच, एसएचओ हीरानगर आशीष शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक में नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य जन सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। राजीव जसरोटिया ने आश्वासन दिया कि जनता की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए समस्याओं के समाधान हेतु हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए ताकि समयबद्ध तरीके से शिकायतों का निपटारा किया जा सके।

सरकार मेहराज मलिक को विधानसभा सत्र में शामिल होने की अनुमति दे, प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी निलंबित किए जाएं : अमित कपूर

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मूः आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी अमित कपूर ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आग्रह किया है कि डोडा विधायक मेहराज मलिक को आगामी विधानसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

जम्मू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अमित कपूर ने कहा कि मेहराज मलिक को सांसद इंजीनियर राशिद की तरह विधानसभा सत्र में शामिल होने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मेहराज मलिक ही ऐसे विधायक हैं जो गरीबों, दैनिक वेतनभोगियों और अन्य जनहित के मुद्दों को विधानसभा में उठाते हैं।

अमित कपूर ने यह भी मांग की कि मेहराज मलिक के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए और उन्हें निलंबित किया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मेहराज मलिक को जनहित के मुद्दे उठाने के लिए सत्र में शामिल होने देंगे।

एनडीएस ने 'डोगरी मन की बात' में अनियमितताओं पर फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

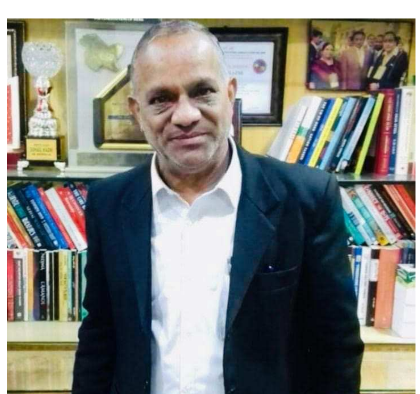

जम्मू : नमी डोगरी संस्थान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के डोगरी संस्करण में कथित धन के दुरुपयोग, अनियमित. ताओं और प्रसारण खामियों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संस्थान ने आरटीआई के जवाब के बाद उचित जांच और फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की है।

आरटीआई मोहद यासीन, युवा सांस्कृतिक उत्साही और स्वतंत्र लेखक ने दायर की थी, जिसमें डोगरी अनुवाद के विवरण मांगे गए थे। आकाशवाणी जम्मू ने जवाब में स्वीकार किया कि कोई अनुवाद पैनल नहीं है, केवल एक आकस्मिक प्रसारक नियुक्त किया गया है और भुगतान संबंधी सवाल को "असुस्पष्ट" बताते हुए टाल दिया। एनडीएस अध्यक्ष डोगरा हरीश कायला ने कहा, "प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के साथ खिलवाड़ बंद करें। अगर ऐसी लापरवाही जारी रही, तो आकाशवाणी जम्मू के दरवाजों पर बड़ा लॉक लग सकता है।" उन्होंने इसे "डोगरी भाषी जनता के साथ विश्वासघात" और "मन की बात' की सार्थकता का अपमान" बताया।

कायला ने मोहद यासीन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने डोगरी भाषा और डोगरा पहचान के सम्मान के लिए आवाज उठाई है। एनडीएस ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और प्रसार भारती से तुरंत हस्तक्षेप कर डोगरी संस्करण से जुड़े सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की है। कायला ने निष्कर्ष में कहा, "यह केवल एक कार्यक्रम का मामला नहीं, बल्कि डोगरी भाषा और डोगरा पहचान के सम्मान का मामला है। हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक डोगरी को उसका उचित स्थान नहीं मिलता।"

बिग कोशुर टैलेंट हंट के ग्रैंड फिनाले में कश्मीर के उभरते सितारों को मिला ताज

सबका जम्मू कश्मीर

बहुप्रतीक्षित बिग कोशुर टैलेंट हंट ग्रैंड फिनाले कश्मीरी प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ँझ्नेँ में आयोजित इस कार्यक्रम में कला प्रेमियों, छात्रों और गणमान्य व्यक्तियों की भारी भीड़ उमड़ी, जो कश्मीर की प्रदर्शन कलाओं की समृद्धि का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे।

हफ़्तों तक चले कड़े ऑडिशन और विभिन्न श्रेणियों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, इस शाम के विजेता शानदार अंदाज़ में उभरे। डीपीएस अनंतनाग ने नृत्य श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया और अपनी अभिनव कोरियोग्राफी और बेजोड़ ऊर्जा से निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया। लघु नाटिका श्रेणी में, फ्रोबेल स्कूल, अनंतनाग ने अपनी प्रभावशाली कहानी और मंचीय उपस्थिति से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। वहीं, गायन श्रेणी में, दुबई ग्रैंड स्कूल के ओवैस अहमद शाह ने अपने भावपूर्ण प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया और विज. `ता का खिताब अपने नाम कर लिया।

यह फिनाले सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं थाकृयह कश्मीर के युवा जोश का एक अविस्मरणीय उत्सव था। दर्शकों ने ज़ोरदार तालियों और खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से इसका स्वागत किया, जिससे यह शाम कला और संस्कृति का एक सच्चा उत्सव बन गई। सितारों से सजी इस शाम में और भी चार चाँद लगाने वाले थे, मिज़राब रिकॉर्ड्स के श्री इरफ़ान और श्री बिलाल, डी अलाइव के एमजे नासिर और बॉलीवुड अभिनेता श्री शाहिद लतीफ़ जैसी जानी–मानी हस्तियाँ, जिन्होंने अपनी उपस्थिति और उत्साहवर्धक शब्दों से युवा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन

डीएलएसए बडगाम ने खग में विश्व पर्यटन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

नई दिल्ली

बडगाम : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) बडगाम ने खग में श्विश्व पर्यटन दिवस्र के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम डीएलएसए, बडगाम के अध्यक्ष ओपी भगत की देखरेख और डीएलएसए बडगाम के सचिव नुसरत अली हक्क के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ावा देना था। इस दिवस का उद्देश्य अंतर–सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना, ज़िम्मेदार और टिकाऊ यात्रा प्रथाओं को बढ़ावा देना और आर्थिक विकास एवं वैश्विक समृद्धि में पर्यटन के योगदान को उजागर करना भी था।

डीएलएसए बडगाम द्वारा संसाधन व्यक्तियों के रूप में नियुक्त पीएलवी ने पर्यटन के कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें उपभोक्ता अधिकार, सुरक्षा नियम और विवाद समाधान तंत्र सहित पर्यटकों के अधिकारों और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया।

उन्होंने पर्यटन से संबंधित कानूनी चुनौतियों पर भी विचार–विमर्श किया, जैसे सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान।

कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को पर्यटन के महत्व और इसके कानूनी आयामों के बारे में शिक्षित करना था।

लेह आगजनी : डॉ. परनीश ने केंद्र का समर्थन किया, कांग्रेस और सोनम वांगचुक की आलोचना की, लेह में भाजपा कार्यालय पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. परनीश महाजन ने आज एक तीखा बयान जारी कर लद्दाख मामलों से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके का बचाव किया और कांग्रेस पार्टी तथा कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की क्षेत्र में ष्अशांति भड़कानेष् के लिए तीखी आलोचना की।

उन्होंने लेह में भाजपा कार्यालय में आग लगाने की भी कड़ी निंदा की और इसे ष्राजनीतिक बर्बरता का एक हताश और शर्मनाक कृत्यष् बताया।

डॉ. महाजन ने कहा, ष्लेह में भाजपा कार्यालय में आगजनी की हालिया घटना केवल एक इमारत पर हमला नहीं है – यह लोकतंत्र पर ही हमला है। मैं इस कायरतापूर्ण कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ।ष्

उन्होंने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर ष्दे के पीछे अराज. कता फैलानेष् और सोनम वांगचुक जैसे नेताओं का इस्तेमाल ष्एक गहरे राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए सक्रियता का दिखावा करनेष् के लिए करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आगे कहा, ष्सोनम वांग. चुक सक्रियता से आंदोलन की सीमा पार कर चुके हैं। उनके बयान और सड़क पर राजनीति अब कांग्रेस की रणनीति से मेल खाती है – विभाजन, असंतोष और अविश्वास पैदा करना।ष्

डॉ. महाजन ने ज़ोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने लद्दाख को राष्ट्रीय ध्यान का केंद्र बनाया है, लंबे समय से लंबित विकासात्मक वादों को पूरा किया है और इस क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया है – एक ऐसी मांग जिसे पिछली कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक नज़रअंदाज़ किया था।

उन्होंने कहा, ष्यह भाजपा ही थी जिसने लद्दाखियों की आकांक्षाओं को पहचाना। अब वही ताकतें, जिन्होंने वर्षों तक लद्दाख की उपेक्षा की, अपने राजनीतिक पुनरुत्थान के लिए स्थानीय भावनाओं का फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं।ष्

उन्होंने जनता से ष्इन राजनीति से प्रेरित चालोंष् को समझने और शांतिपूर्ण एवं एकजुट रहने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ष्हिंसा, आगजनी और भीड़ की मानसिकता लद्दाखियों का तरीका नहीं है। जिन लोगों ने हमारे कार्यालय को जलाया, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए कृ और जिन्होंने उन्हें उकसाया, उन्हें भी समान रूप से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।ष्

डॉ. महाजन ने बातचीत और विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए समापन कियारू

ष्केंद्र लद्दाख की चिंताओं का समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कृ लेकिन संवैधानिक तरीकों से, न कि सड़क पर हिंसा के ज़रिए।

लद्दाख के लोग प्रगति के हकदार हैं, ध्रुवीकरण के नहीं।

नगरी रामा नाटक में रामायण संपन्न, हास्य कलाकारों ने दी नशे से दूर रहने की सीख

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ। नौ दिनों तक चली श्री राम ा नाटक सभा में जहां भगवान श्रीराम की लंका विजय और प्रभु श्री राम, माता सीता व लक्ष्मण की अयोध्या वापसी का भव्य चित्रण किया गया, वहीं मंच पर हास्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी।

हास्य कलाकार आशोक शर्मा, सतपाल और आशोक वर्मा का बेटे ने अपनी हास्य कला से नौ दिनों तक दर्शकों का मनोरंजन किया। अंतिम दिन इन कलाकारों ने नशे पर व्यंग्य प्रस्तुत कर समाज के नशे से दूर रहने का संद. ेश दिया। इस अवसर पर आशोक वर्मा ने कहा कि "नशे से दूर रहना केवल व्यक्ति के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए सुरक्षा का प्रतीक है।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी बुरी आदतों से बचकर स्वस्थ और सुरक्षित समाज की दिशा में योगदान दें।

78वां निरंकारी संत समागम सेवा भाव, समर्पण और मानवता का दिव्य उत्सव

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में 78वें वार्षिक निरंकारी संत सागम की ग्राउंड सेवाओं का शुभारंभ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपति रमित जी के पावन करकमलों से किया जाएगा। यह भव्य आयोजन 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक सम्पन्न होगा।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि "समागम केवल एकत्रित होने का नाम नहीं, बल्कि आत्म मंथन का अवसर है। हमें मन की कुरीतियों को दूर कर सेवा, समर्पण और मानवता को जीवन में उतारना है। परमात्मा भीतर और बाहर दोनों ही स्थानों पर विद्यमान है, इसलिए हमें अपने अंतमर्न में झांककर सुधार करना होगा।"

देशभर के साथ–साथ कठुआ और उसकी शाखाओं से भी सैकड़ों सेवादल स्वयंसेवक और भक्त स्थल पर सेवाएँ निभाने पुहंचेगे।

करीब 600 एकड़ में फैले इस स्थल पर लाखों श्रद्धालुओं के लिए रहने, भोजन, स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्थाऐं निस्वार्थ भाव से की जाएंगी। इस वर्ष समागम का विषय 'आत्म मंथन' रखा गया है, जिसका उदेश्य आत्मज्ञान के माध्यम से विचारों और कर्मो को शुद्ध करना है। 96 वर्षों से निरंकारी मिशन "वसुधैव कुटुम्बकम" अर्थात "समस्त संसार एक परिवार की भावना को आत्मसात करते हुए प्रेम, शांति और समरसता संदेश दे रहा है।

यह महोत्सव केवल अनुयायियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर धर्म,जाति और भाषा के मानव–प्रेमियों के लिए खुला है, जहाँ इंसानियत, आध्यात्मिकता और सेवा भाव का अद्वितीय संगम दिखाई देता है।

कठुआ रामलीला मैदान में रावण दहन : पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह और विधायक डॉ. भारत भूषण बने साक्षी

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, विजयदशमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को कठुआ के रामलीला ग्राउंड में रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और आतिशबाजी व जयकारों के बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश पूरे क्षेत्र में गूंज उठा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह और कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने विशेष रूप से शिरकत की। दोनों नेताओं ने एक साथ मंच साझा कर राम भक्तों को संबोधित किया और समाज को रामायण से मिलने वाले आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दशहरा केवल एक पर्व नहीं बल्कि यह समाज को हर प्रकार की बुराइयों से दूर रहने और सत्य, धर्म तथा न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

रामलीला मैदान में आयोजित इस रावण दहन कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आसमान में गूंजती पटाखों की आवाज और रावण, मेघनाथ तथा कुंभकर्ण के पुतलों के दहन ने विजयदशमी के इस अवसर को यादगार बना दिया।

एलजी सिन्हा ने जम्मू में लगभग 700 करोड़ रुपये की 60 परियोजनाओं की आधारशिला रखी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को लगभग 700 करोड़ रुपये की 60 परियोजनाओं की आधारशिला रखी और पर्यावरणीय चुनौतियों को कम करने के लिए भविष्य के शहरों के लिए एक साहसिक रोडमैप के रूप में टिकाऊ शहरी नियोजन और जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन का आह्वान किया।

राज्यपाल ने आवास एवं शहरी विकास विभाग को जम्मू नगर निगम के स्वच्छता इंटर्नशिप कार्यक्रम और ग्रीन कॉलोनी पहल को जम्मू–कश्मीर के अन्य शहरों में भी लागू करने को कहा।

सिन्हा ने यहां आवास एवं शहरी विकास विभाग द्वारा आयोजित सेवा पर्व समारोह में भाग लिया और अटल कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) 2.0 के तहत 699.79 करोड़ रुपये की 60 परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

अपने संबोधन में सिन्हा ने समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा शहर के निवासियों के लिए बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के लिए विभाग और जम्मू नगर निगम के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि टिकाऊ शहरी नियोजन और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन भविष्य के शहरों के लिए एक साहसिक रोडमैप है।

राज्यपाल ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, मेरा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीछे न छूटे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुंच बनाई जाए और उन्हें अधिक प्रगति और समृद्धि के लिए विकास प्रक्रिया में शामिल किया जाए।ष्

उन्होंने अधिक रहने योग्य और जीवंत शहरों के विकास तथा पर्यावरणीय चुनौतियों को कम करने के लिए टिकाऊ शहरी बुनियादी ढांचे और स्मार्ट प्रौद्योगिकी के एकीकरण का आह्वान किया।

उन्होंने आगे कहा, श्हमें एक स्मार्ट शहरी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए टिकाऊ प्रथाओं को अपनाना होगा और पर्यावरणीय नियमों को सख्ती से लागू करना होगा। तवी रिवरफ्रंट ने हाल की प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ जम्मू शहर के लिए एक सुरक्षा कवच का काम किया है और आसपास के इलाकों को बाढ़ से बचाया है। यह सतत विकास परियोजनाओं का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।ष्

उन्होंने अधिकारियों और नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने शहर के प्रति स्वामित्व की भावना विकसित करें, ताकि आपसी संबंध मजबूत हों और शहरी परिसंपत्तियों तथा सार्वजनिक स्थानों की बेहतरी में योगदान दिया जा सके।

नगर निगम आयुक्त ने स्ट्रीट लाइट रखरखाव की समीक्षा की, लापरवाही के लिए तीन कर्मचारियों को किया निलंबित

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज जम्मू नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की समीक्षा के लिए जेएमसी के विद्युत विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान आयुक्त ने जम्मू शहर के विभिन्न हिस्सों से प्राप्त स्ट्रीट लाइटों के खराब होने की सूचना पर कड़ा संज्ञान लिया। समय पर मरम्मत और निगरानी में लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते हुए डॉ. यादव ने स्ट्रीट लाइट मरम्मत विंग के तीन कर्मचारियों को निलंबित करने और उन्हें अगले आदेश तक कोट भलवाल डंपिंग साइट से संबद्ध करने का आदेश दिया।

आयुक्त ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्ट्रीट लाइटिंग शहरी बुनियादी ढाँचे का एक महत्वपूर्ण घटक है जो सीधे नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि खराब रोशनी वाली सड़कें न केवल जनता के लिए असुविधा का कारण बनती हैं बल्कि सुरक्षा जोखिम भी पैदा करती हैं खासकर रात के समय।

डॉ. यादव ने एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के अधिकारियों और जेएमसी के कार्यकारी अभियंता (विद्युत) को निर्देश दिया कि वे खराब स्ट्रीट लाइटों से संबंधित जन शिकायतों का तत्काल निवारण सुनिश्चित करें।

बुद्धि में पारंपरिक दंगल का भव्य आयोजन, मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राजीव जसरोटिया

सबका जम्मू कश्मीर

बुद्धि/जसरोटा। बुद्धि गांव में आज पारंपरिक दंगल का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्रभर के नामी–गिरामी पहलवानों ने अपनी दमखम और कुश्ती कला का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। दंगल देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन तालियों की गड़गड़ाहट से किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री राजीव जसरोटिया उपस्थित रहे। उनके साथ डीएसपी कठुआ रविंद्र सिंह और बीडीओ बरनोटी सूरज सिंह ने भी विशेष रूप से शिरकत की। अतिथियों की उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई।

अपने संबोधन में पूर्व मंत्री राजीव जसरोटिया ने कहा कि पारंपरिक

दंगल जैसे आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेलों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें, क्योंकि खेल अनुशासन, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं।

दंगल का आयोजन क्षेत्रीय संस्कृति और परंपरा को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना गया।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

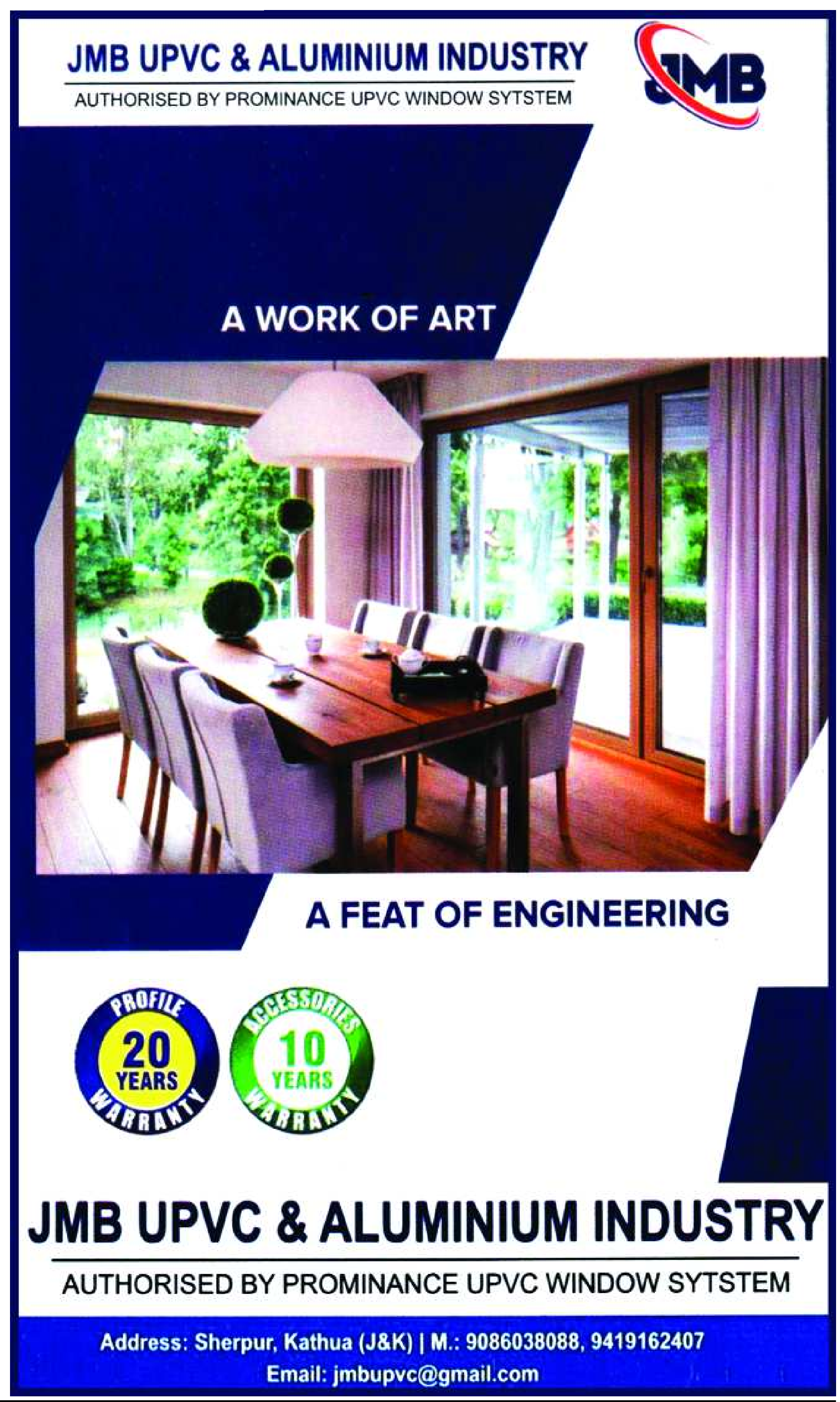

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादकः राज कुमार